NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 28 लखनऊ, रविवार 08 सितंबर 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

सैनिक स्कूल की स्थापना से पूरा हो रहा पीढ़ियों के निर्माण का पवित्र उद्देश्य: योगी आदित्यनाथ

संवाददाता।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर पौराणिक और ऐतिहासिक कालखंड से महत्वपूर्ण स्थान रहा है। यह महायोगी गुरु गोरखनाथ जी की साधना स्थली है तो गीता प्रेस के माध्यम से पूरी दुनिया में सनातन साहित्य के प्रकाशन का केंद्र भी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश, सीमावर्ती बिहार और नेपाल की तीन करोड़ से आबादी का हर लिहाज से महत्वपूर्ण केंद्र है। आज गोरखपुर नए भारत की विकास यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से, उनके मार्गदर्शन में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गोरखपुर, उत्तर–पूर्व क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और निवेश का ड्रीम डेस्टिनेशन बन गया है। सीएम योगी शनिवार को सैनिक स्कूल गोरखपुर के लोकार्पण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत कर रहे थे। उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी डॉ सुदेश धनखड़ का प्रदेश और गोरखपुरवासियों की तरफ से अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि उपराष्ट्रपति जी का पहली बार गोरखपुर आगमन हुआ है। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल के जरिये आज पीढ़ियों का निर्माण करने वाला पवित्र उद्देश्य पूरा हो रहा है। यह पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण दिन है। पौराणिक व ऐतिहासिक कालखंड से गोरखपुर महत्वपूर्ण

स्थान मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर पौराणिक और ऐतिहासिक कालखंड से महत्वपूर्ण स्थान रहा है। यह महायोगी गुरु गोरखनाथ जी की साधना स्थली है तो गीता प्रेस के माध्यम से पूरी दुनिया में सनातन साहित्य के प्रकाशन का केंद्र भी। आजादी की लड़ाई में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता समर के दौरान शहीद बंधु सिंह के नेतृत्व में गोरखपुर क्षेत्र में अंग्रेजी हुकूमत की चूलों को हिला दिया गया था। 1922 में चौरीचौरा की ऐतिहासिक घटना में आजादी के संघर्ष को नई गति दी। सीएम ने कहा कि गोरखपुर प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है। गोरखपुर को केंद्र में रखकर देखें तो यहां से 50 किमी की दूरी पर महात्मा बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर है। 90 किमी की दूरी पर बुद्ध की जन्मभूमि लुम्बिनी है तो 25 किमी की दूरी पर संतकबीर की परिनिर्वाण स्थली मगहर है। 175 किमी की दूरी पर प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या है जबकि 225 किमी की दूरी पर बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी है। विकास के नए आयामों से बनी गोरखपुर और यूपी की विशिष्ट पहचान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस खाद कारखाना परिसर में सैनिक स्कूल बना है वह कारखाना कभी बंद पड़ा था। आज दोबारा शुरू होने से यह कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, कृषि लागत कम करने और आजीविका के नए साधन उपलब्ध कराने के केंद्र के रूप में उभरा है। गोरखपुर में एम्स और बीआरडी मेडिकल कॉलेज से स्वास्थ्य अभियान को गति मिल रही है। चिकित्सा के क्षेत्र में बीआरडी मेडिकल कॉलेज और एम्स प्रतिदिन नये कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। चीनी मीलों से गन्ना किसानों को अप्रत्याशित लाभ मिल रहा है। अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, ऐक्सप्रेसवे, सिक्सलेन, फोरलेन के निर्माण से, विकास के नए आयामों से गोरखपुर और यूपी की विशिष्ट पहचान बन रही है। तीन वर्ष में बनकर तैयार हुआ सैनिक स्कूलसीएम योगी ने कहा कि तीन वर्ष की अल्प अवधि में बनकर तैयार हुआ गोरखपुर का सैनिक स्कूल भविष्य की पीढ़ियों का भविष्य संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। 176 करोड रूपयेघ की लागत से बन रहा यह पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला सैनिक स्कूल है, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक छात्रध छात्राओं को आवासीय शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। यह सैनिक स्कूल भविष्य की पीढ़ियों का निर्माण करेगा तथा जीवन के कर्तव्यों का बोध कराने में सहायक सिद्ध होगा। सैनिक संस्थान से निकले विद्यार्थी भविष्य में राष्ट्र निर्माण एवं विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेंगे। पुरातन छात्र के हाथों सैनिक स्कूल का लोकार्पण सौभाग्य की बात मुख्यमंत्री ने कहा देश में पहला सैनिक स्कूल तत्कालिन मुख्यमंत्री सम्पूर्णानंद जी ने 1960 में लखनऊ में स्थापित किया था। तत्पश्चात 1961 में देश के तत्कालीन रक्षा मंत्री ने 5 नए सैनिक स्कूल भी प्रारंभ किये थे। उन्होंने उपराष्ट्रपति का स्वागत करते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है कि 1962 से 1969 की अवधि में चितौड़गढ़ सैनिक स्कूल के पुरातन छात्र, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कर कमलों द्वारा इस सैनिक स्कूल का लोकार्पण किया जा रहा है। सैनिक स्कूल का ऑडिटोरियम जनरल विपिन रावत के नाम पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस सैनिक स्कूल में छात्र–छात्राओं हेतु अलग–अलग कैम्पस के साथ देश के पहले सीडीएस जनरल विपिन रावत के नाम पर ऑडिटोरियम का निर्माण किया गया है। कारगिल में शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा के नाम पर मल्टीपरपज हॉल के साथ साथ एकलव्य शूटिंग रेंज एवं तरणताल का निर्माण भी किया गया है। सैनिक परिसर में प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं परम्परा के आधार पर प्रशासनिक भवन बनाया गया है।

मोदी सरकार का पूजा खेडकर पर सबसे बड़ा एक्शन, इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस से किया गया डिस्चार्ज

एजेंसी।

नई दिल्ली पूजा खेडकर की कानूनी परेशानियां तब शुरू हुईं जब यह आरोप लगाया गया कि उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 के लिए अपने आवेदन में आरक्षण लाभ प्राप्त करने के लिए जानकारी को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। यूपीएससी और दिल्ली पुलिस दोनों ने उन पर जाली विकलांगता प्रमाण पत्र जमा करने का आरोप लगाया है, जिसमें दो अलग–अलग दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया है।

केंद्र सरकार ने आईएएस (प्रोबेशन) नियम, 1954 के नियम 12 के तहत 2023 के महाराष्ट्र कैडर की आईएएस प्रोबेशनर पूजा

मनोरमा दिलीप खेडकर को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) से आधिकारिक तौर पर छुट्टी दे दी है। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और विकलांगता कोटा के तहत धोखाधड़ी और लाभों का दुरुपयोग करने के गंभीर आरोपों का सामना करने वाले खेडकर को आईएएस (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 12 के तहत आईएएस से छुट्टी दे दी गई थी। पूजा खेडकर की कानूनी परेशानियां तब शुरू हुईं जब यह आरोप लगाया गया कि उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 के लिए अपने आवेदन में आरक्षण लाभ प्राप्त करने के लिए जानकारी को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। यूपीएससी और दिल्ली पुलिस दोनों ने उन पर जाली विकलांगता प्रमाण पत्र जमा करने का आरोप लगाया है, जिसमें दो अलग–अलग दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया है। यूपीएससी, जिसने 31 जुलाई को खेडकर की उम्मीदवारी रद्द कर दी थी, ने पहले कहा था कि उसने आयोग और जनता के खिलाफ धोखाधड़ी की है, और साजिश की पूरी सीमा को उजागर करने के लिए उसकी हिरासत में पूछताछ आवश्यक थी। खेडकर ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि वह एम्स में अपनी चिकित्सकीय जांच कराने की इच्छुक हैं, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने दावा किया था कि उनका एक विकलांगता प्रमाण पत्र जाली और मनगढ़ंत हो सकता है। खेडकर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने कहा कि मैं अपनी चिकित्सकीय जांच कराने को तैयार हूं। पहले वे कहते हैं कि मैंने अपना नाम बदल लिया है। अब वे कहते हैं कि विकलांगता संदिग्ध है। मैं एम्स जाने को तैयार हूं।

हमें कम आंकने वालों को पछताना पड़ेगा... आप गठबंधन की अटकलों के बीच सांसद संदीप पाठक का बयान

एजेंसी।

नई दिल्ली सीट बंटवारे पर असहमति के कारण आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन की बातचीत रुकी हुई है। कथित तौर पर, ।।च ने 10 सीटों का अनुरोध किया है, जबकि कांग्रेस पांच से सात सीटों की पेशकश कर रही है। आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ संभावित गठबंधन पर अनिश्चितता के बीच, आप के राष्ट्रीय सचिव (संगठन) संदीप पाठक ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी हरियाणा चुनाव में पूरी ताकत के साथ सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। आप नेता ने जोर देकर कहा कि जो लोग हमें कम आंकते हैं उन्हें भविष्य में पछताना पड़ेगा। उन्होंने का हम पूरी तरह से तैयार हैं और पार्टी के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही हमें श्गोश शब्द मिलेगा, हम सब कुछ घोषित कर देंगे। हम सभी सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ने को तैयार हैं और जो लोग हमें कम आंकेंगे उन्हें भविष्य में खुद पछताना पड़ेगा। सीट बंटवारे पर असहमति के कारण आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन की बातचीत रुकी हुई है। कथित तौर पर, ।।च ने 10 सीटों का अनुरोध किया है, जबकि कांग्रेस पांच से सात सीटों की पेशकश कर रही है। हरियाणा में 5 अक्टूबर को मतदान होना है और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है। इससे पहले, आप की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि चर्चा जारी है ।

शिक्षा वह माध्यम जो समाज में बदलाव लाती व समानता का अवसर उत्पन्न करती – उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में जनपद गोरखपर में 00प0 सैनिक स्कूल का लोकार्पण किया

संवाददाता।

लखनऊ। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की उपस्थिति में आज जनपद गोरखपुर के फर्टिलाइजर कैम्पस में 176 करोड़ रुपये की लागत से 49 एकड़ भूमि में बने उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल का लोकार्पण किया। उन्होंने इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा वह माध्यम है, जो समाज में बदलाव लाती है व समानता का अवसर उत्पन्न करती है, साथ ही असमानताओं पर कुठाराघात भी करती है। यह सैनिक स्कूल भावी पीढ़ी के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा। देश व प्रदेश के छात्र–छात्राओं के मन में यहां की पृष्ठभूमि व विरासत सदा विद्यमान रहेगी। मुख्यमंत्री जी का प्रतिबिम्ब हमेशा सैनिक स्कूल की परिच्छाया में दिखेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री जी के आमंत्रण के फलस्वरूप गोरखपुर की धरती पर चित्तौड़गढ़ सैनिक स्कूल के पुरातन छात्र की हैसियत से उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ है।

उपराष्ट्रपति जी ने कहा कि यह सैनिक स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन की नींव साबित होगी, क्योंकि शिक्षा के बिना समाज में परिवर्तन सम्भव नहीं है। समाज में फैली कुरीतियों पर शिक्षा के माध्यम से ही कुठाराघात किया जा सकता है। शिक्षा की लौ, जिस मंदिर, देश व प्रदेश में जलेगी, वहां अपनी रोशनी से कुरीतियों को दूर कर समाज को प्रकाशमय बनायेगी। वर्तमान परिदृश्य में वैचारिक दृढ़ता, मूल चिंतन प्रतिबद्धता तथा राष्ट्र भावना के

प्रसार की अत्यंत आवश्यकता है। यह तीनों ही गुण देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में है। जो गत दशक से देश को एक ऐसे रास्ते पर ले जा रहे हैं, जिससे पूरी दुनिया हतप्रभ है। दुनिया में भारत की आज अलग पहचान है। देश में विकास की गंगा बह रही है। इसमें मुख्यमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में वर्ष 2017 के पश्चात उत्तर प्रदेश की उत्तम प्रदेश के रूप में गुणात्मक भागीदारी है। यह राष्ट्र निर्माण में बहुत बड़ा योगदान है। प्रदेश में अनेक नए कार्य किए गए हैं, जिनकी चर्चा पूरे देश में है। मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदेश में किये गये चमत्कारिक विकास कार्यों की गूंज प्रत्येक जगह सुनायी देती है। उन्होंने असम्भव कार्यों को सम्भव करके दिखाया है। पहले देश का सबसे बड़ा प्रदेश भय तथा अराजकता की चपेट में था। शासन की शिथिलता के कारण आम आदमी परेशान था। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में कानून का राज कायम हुआ है। हम सभी को भी भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के महायज्ञ में अपनी आहुति देनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र के प्रति यह सैनिक स्कूल हम सबको समर्पण, दया, प्रेम, अनुशासन, देश की एकता, अखण्डता को अक्षुण्ण बनाएं रखने का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह देश के प्रत्येक राज्य को सैनिक स्कूल का निर्माण करने, देश की प्रगति में योगदान देने, राष्ट्रवाद की भावना का प्रसार करने तथा राष्ट्र एकता का संदेश चहुँओर दिशा में प्रसारित करने के लिए प्रेरणा प्रदान करेगा। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जो हवन हो रहा है, उसमें हम सभी को योगदान स्वरूप सहयोगात्मक आहुति देनी चाहिए, ताकि हमारा समाज व राष्ट्र विकसित बन सके। असफलता, सफलता का केन्द्र व कुंजी है। असफलता में सफलता की नींव विद्यमान रहती है। शिव शक्ति प्वाइंट पर चन्द्रयान–3 की सफलता की नींव चन्द्रयान–2 की असफलता में विद्यमान थी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपराष्ट्रपति का आभार प्रकट करते हुए कहा कि 03 वर्ष की अल्प अवधि में बनकर तैयार हुआ यह सैनिक स्कूल भावी पीढ़ियों का भविष्य संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। 176 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पूर्वांचल का पहला सैनिक स्कूल है। इसमें कक्षा 06 से 12 तक छात्र–छात्राओं को आवासीय शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। यह सैनिक स्कूल जीवन के कर्तव्यों का बोध कराने में सहायक सिद्ध होगा। सैनिक संस्थान से निकले छात्र–छात्राएं भविष्य में राष्ट्र का निर्माण करेंगे एवं विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेंगे। देश में पहला सैनिक स्कूल तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ0 सम्पूर्णानंद जी ने वर्ष 1960 में लखनऊ में स्थापित किया था। तत्पश्चात 1961 में देश के तत्कालीन रक्षा मंत्री ने 05 नए सैनिक स्कूल भी प्रारंभ किये थे। हमारा सौभाग्य है कि वर्ष 1962 से वर्ष 1969 की अवधि में चित्तौड़गढ़ सैनिक स्कूल के पुरातन छात्र उपराष्ट्रपति जी के कर–कमलों द्वारा इस सैनिक स्कूल का लोकार्पण किया जा रहा है। गोरखपुर पौराणिक व ऐतिहासिक कालखण्ड से ही महत्वपूर्ण जनपद रहा है। यह महायोगी गुरु गोरक्षनाथ की पावन साधना स्थली है। यह गीता प्रेस के माध्यम से देश–दुनिया में सनातन हिन्दू धर्म साहित्य के प्रचार–प्रसार का महत्वपूर्ण केन्द्र है। देश की आजादी के प्रथम स्वातंत्र्य समर के दौरान शहीद बन्धु सिंह के नेतृत्व में अनेक क्रान्तिकारियों ने विदेशी हुकूमत की जड़ों को हिलाने का काम किया था। भारत के ऐतिहासिक और पौराणिक दृष्टिकोण से गोरखपुर की पावन भूमि प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है। गोरखपुर सभी पर्यटन केन्द्रों के केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो शिक्षा, व्यापार, चिकित्सा, उद्यमिता के क्षेत्र में अप्रत्याशित वृद्धि कर आस–पास के जनपदों की प्रेरणा के रूप में उभर कर आगे आकर सबका ध्यान आकर्षित कर रहा है।

सुनीता केजरीवाल ने मतदाताओं से हरियाणा के लाल अरविंद केजरीवाल के साथ खड़े होने की अपील की

एजेंसी।

नई दिल्ली अरविंद केजरीवाल को 'हरियाणा का लाल' बताते हुए सुनीता केजरीवाल ने शनिवार को लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) को वोट देकर सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ खड़े होने का आग्रह किया। सुनीता केजरीवाल ने दावा किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को फर्जी मामले में जेल में डाल दिया गया है। भिवानी (हरियाणा) । अपने पति अरविंद केजरीवाल को 'हरियाणा

का लाल' बताते हुए सुनीता केजरीवाल ने शनिवार को लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) को वोट देकर सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ खड़े होने का आग्रह किया। सुनीता केजरीवाल ने दावा किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को फर्जी मामले में जेल में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा, ''आपका बेटा शेर है और वह (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी के सामने झुकेगा नहीं।'' उन्होंने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं, आपकी बहू और आपकी बहन, पूछना चाहती हूं कि क्या हरियाणा इस अपमान को बर्दाश्त करेगा? क्या आप चुप रहेंगे और क्या आप अपने बेटे (दिल्ली के मुख्यमंत्री) का समर्थन नहीं करेंगे। सुनीता केजरीवाल ने हरियाणा में सत्तारूढ़ पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह केवल ''सत्ता में बने रहना'' चाहती है और समाज के कल्याण के लिए काम करने में उसकी ''कोई रुचि नहीं'' है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा केवल पार्टियों को तोड़ना और विपक्षी नेताओं को जेल में डालना जानती है। उन्होंने मतदाताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा कि एक भी वोट भाजपा को न मिले। भाजपा पर निशाना साधते हुए 'आप' नेता ने लोगों से पूछा कि क्या उन्होंने पिछले 10 वर्ष में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई सुधार देखा है। उन्होंने पूछा, ''क्या सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार हुआ है? क्या आपके क्षेत्र में कोई ऐसा अस्पताल है जहां अच्छी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है, मुफ्त दवाइयां दी जाती हैं।'' उन्होंने कहा, ''क्या आपको मुफ्त और चौबीसों घंटे बिजली मिल रही है? ऐसा कुछ भी नहीं है।'' उन्होंने कहा कि ये सुविधाएं दिल्ली और पंजाब में दी जा रही हैं, जहां 'आप' सत्ता में है। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ सत्ता में बने रहना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया, ''यह केवल पार्टियों को तोड़ना और विपक्षी नेताओं को जेल में डालना जानता है। उन्हें (भाजपा को) समाज के कल्याण के लिए काम करने में कोई रुचि नहीं है।'' उन्होंने कहा कि उनके पति अरविंद केजरीवाल ''हरियाणा के लाल'' हैं और उनका जन्म सिवानी गांव में हुआ और उनका लालन–पालन हिसार में हुआ। उन्होंने कहा, ''कोई सपने में भी नहीं सोच सकता था कि हरियाणा का बेटा दिल्ली का मुख्यमंत्री बनेगा।'' उन्होंने कहा, ''यह कोई साधारण बात नहीं है और यह किसी चमत्कार से कम नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''अरविंद जी का जन्म 16 अगस्त 1968 को हुआ था। उस दिन कृष्ण जन्माष्टमी थी। मुझे लगता है कि भगवान अरविंद जी के माध्यम से कुछ विशेष करवाना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने शून्य से शुरुआत की और अपनी पार्टी बनाई तथा पहले ही चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री बन गए। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने ऐसे काम किए जो बड़ी पार्टियां और बड़े नेता भी कभी नहीं कर सके। सुनीता केजरीवाल ने कहा, ''इन सब के कारण, (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी ईर्ष्यालु हैं और आपके बेटे और आपके भाई (केजरीवाल) से डरे हुए हैं। वह (मोदी) ऐसा काम नहीं कर सकते।'' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अच्छी शिक्षा और इलाज सुनिश्चित नहीं कर सकते। दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक वर्तमान में आबकारी नीति से संबंधित मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। सुनीता केजरीवाल ने कहा, ''वे केजरीवाल को चोर कहते हैं। मैं कहती हूं कि अगर वह चोर हैं तो दुनिया में कोई भी ईमानदार नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''आपको 'आप' की जीत सुनिश्चित करनी होगी।'' उन्होंने लोगों से पांच अक्टूबर को 'झाड़ू' का बटन दबाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह केजरीवाल का सवाल नहीं है, यह हरियाणा के सम्मान का सवाल है।

उमर अब्दुल्ला के बयान के बहाने BJP का कांग्रेस पर वार, सुधांशु त्रिवेदी बोले– क्या आपके शासन म

एजेंसी।

नई दिल्ली सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यह यह वही पार्टी है जिसने अपने घोषणापत्र में कहा था कि वे धारा 370 को बहाल करेंगे और उसी पार्टी के वरिष्ठ नेता फारूक अब्दुल्ला ने अक्टूबर 2020 में कहा था कि वे चीन की मदद से 370 को बहाल करेंगे। अफजल गुरु पर जेकेएनसी के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के बयान पर राजनीति तेज हो गई है। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने उमर अब्दुल्ला पर तगड़ा वार किया है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के मुख्य सहयोगी कांग्रेस पार्टी, उनके पुराने पारिवारिक मित्र और जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का हालिया बयान निश्चित रूप से कुछ भी नहीं बल्कि उनके नापाक, घृणित, अलगाववादी राष्ट्र–विरोधी डिजाइन का स्पष्ट खुलासा है। भाजपा नेता ने कहा कि जब उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु का मामला फांसी के लायक नहीं है, तो मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि क्या आपके शासन में जांच एजेंसियां घ्गलत तरीके से काम कर रही थीं। उन्होंने सवाल किया कि क्या यूपीए सरकार के दौरान भारत के सुप्रीम कोर्ट ने गलत फैसला दिया था? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं देश के लोगों को याद दिलाना चाहता हूं कि संसद हमले पर फैसले में ै ने इस शब्द का इस्तेमाल किया था कि यह दुर्लभतम अपराध है। तो क्या ै गलत था या भारत के राष्ट्रपति। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यह यह वही पार्टी है जिसने अपने घोषणापत्र में कहा था कि वे धारा 370 को बहाल करेंगे और उसी पार्टी के वरिष्ठ नेता फारूक अब्दुल्ला ने अक्टूबर 2020 में कहा था कि वे चीन की मदद से 370 को बहाल करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपना असली नापाक दिखा रही है। प्रॉक्सी के माध्यम से डिजाइन करें। वे अपना निजी बयान कहकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते क्योंकि राहुल गांधी वहां मौजूद थे और उन लोगों को नैतिक समर्थन दे रहे थे जो श्अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैंश के नारे लगा रहे थे। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने यह तक कह दिया कि अब्दुल्ला परिवार आतंकियों को लेकर नरम रहता है।

मोहम्मद अफजल गुरु एक कश्मीरी अलगाववादी था जिसे 2001 के संसद हमले में उसकी भूमिका के लिए दोषी ठहराया गया था। उसकी संलिप्तता के लिए उसे मौत की सजा मिली, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फोटोजर्नलिस्ट विजय कुमार पिंटू के निधन पर शोक सभा का आयोजन'

लखनऊ(आरएनएस) । 7 सितम्बर । प्रसिद्ध फोटोजॉर्नलिस्ट विजय कुमार शपिंटूश के निधन पर पत्रकार समुदाय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उनकी याद में यूपी प्रेस क्लब, लखनऊ में शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें उनके सभी साथी पत्रकार और चाहने वाले सम्मिलित हुए। विजय कुमार शपिंटूश, जिन्हें पत्रकारिता जगत में उनकी उत्कृष्ट फोटोग्राफी और सच्ची पत्रकारिता के लिए जाना जाता था, अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके असमय निधन ने पत्रकारिता जगत को गहरे शोक में डाल दिया है। शोक सभा में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सभी साथी पत्रकारों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके परिवार को इस कठिन समय में संबल देने की अपील की। ष्ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें,ष इस संदेश के साथ समस्त पत्रकार समुदाय ने शोक व्यक्त किया और उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में हिम्मत और सहारा देने की कामना की। श्रद्धांजलि सभा में यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन लखनऊ अध्यक्ष और पूर्व सचिव शिव शरण सिंह ने परिवार के साथ हर संभव मदद का आश्वासन दिया और सरकार से आर्थिक मदद के लिए प्रयास करने की बात कही। सभा में उत्तर प्रदेश राज्य मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी, सचिव भरत सिंह, वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानेंद्र शुक्ला, बृजेश सिंह, कार्यकारिणी सदस्य रितेश सिंह, सुएश मिश्रा, दिलीप सिन्हा, अब्दुल वहीद, वरिष्ठ फोटोजॉर्नलिस्ट एरिक थॉमसन, ज्ञान स्वामी, प्रदीप शाह, नंद कुमार, शैलेश गुप्ता, विनोद, नितिन भार्गव, हेमंत चौहान, अमित वर्मा, सुरेश, आशुतोष गुप्ता, अतहर रजा, मिथलेश त्रिपाठी, रितेश यादव, बृजेश, अतुल हुण्डु, इमरान, फरमान, अशफाक अली, विशाल श्रीवास्तव, फूलचंद, स्वप्नपाल, अर्जुन शाहू, जुबेर, तमन्ना फरीदी और मुकेश वर्मा सहित कई पत्रकार

मौजूद रहे। श्रद्धांजलि के अवसर पर मुकेश सिंह अध्यक्ष इंडो अमेरिकन चौंबर्स ने परिवार को 25 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी, वहीं वरिष्ठ पत्रकार एवं देवरिया के विधायक शलभमणि त्रिपाठी ने परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

इण्डिया जूनियर पुरुष इंटर जोन प्रतियोगिता के फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए खेल मंत्री गिरीश चन्द्र यादव

साई शक्ति की टीम ने 5-1 के अन्तर से विजयी

लखनऊ। गोमतीनगर विजयंतखण्ड स्थित पदम मो० शाहिद हाकी स्टेडियम में आयोजित हो रही प्रथम हाकी इण्डिया जूनियर पुरुष इंटर जोन प्रतियोगिता का फाइनल व तीसरे स्थान के लिए मैच आयोजित किया गया।फाइनल मैच साई शक्ति व उत्तर जोन के मध्य खेला गया, जिरामे साई शक्ति की टीम ने 5—1 के अन्तर से विजय प्राप्त की व तीसरे स्थान के मैच में साई बल ने ईस्ट जोन को 6—4 के अन्तर से परास्त कर विजय प्राप्त की। फाइनल मैच में सर्वश्रेष्ठ खिलाडी उत्तर जोन के राहुल राजभर एवं तीसरे स्थान के मैच में साईं बल के राहुल को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। फाइनल मैच के दौरान उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरिश चन्द्र यादव जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे एवं डा० आर०पी० सिंह, निदेशक खेल उ०प्र०, सैययद अली (पूर्व ओलम्पियन) मती रंजना गुप्ता (अन्तर्राष्ट्रीय खेलाडी) व अजय कुमार सेठी जी क्षेत्रीय कीड़ाधिकारी एवं रंजीत राज, उपकीडा अधिकारी स्टेडियम प्रभारी 'भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में छः टीमो ने प्रतिभाग किया था।

बड़े ही हर्षोल्लास के साथ निकाली गई शिव बारात मनाया गया पारंपरिक शिव, पार्वती का विवाह

सफदरगंज बाराबंकी में कजरी तीज के पारंपरिक पर्व पर आयोजित होने वाले शिव पार्वती विवाह उत्सव के उपलक्ष्य में सफदरगंज कस्बे स्थित निद्धेश्वर शिव मंदिर से शंकर जी की बारात सांय 4 बजे ग्राम चिलौकी स्थित शिव मंदिर के लिए प्रस्थान की गई। बारात में भगवान शंकर के साथ, ब्रह्मा जी , विष्णु जी, नदिया, भूत प्रेत, नारद भगवान, बारात की शोभा बढ़ा रहे क्षेत्र के बाल गोपाल, माताएं, बहने, दादा, भैया लोग डीजे के साथ झूमते, नाचते हुड़दंग मचा रहे इस शिव जी की बारात देखने के लिए लोग काफी दूर दराज आए हुए हैं जटाशंकर गुप्ता ने बताया कि इस बार भी विधि विधान से शिव पार्वती विवाह सम्पन्न कराकर विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है। इस भंडारे में लगभग 25 से 30 हजार श्रद्धालु के लिए पूड़ी, सब्जी, हलवा, पीने का ठंडा पानी की संपूर्ण व्यवस्थाये की गई है। हर साल की भांति इस वर्ष भी शिव की बारात में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा है इसको लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा चाक चौबंद कर दी है और प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि शिव बारात में भीड़ को नियंत्रित करने व सुरक्षा की दृष्टिकोण से पूरी व्यवस्था देखी जा रही है।

भाजपा सरकार महंगाई, भ्रष्टाचार और किसानों की बदहाली कभी दूर नहीं कर सकती है - अखिलेश यादव

संवाददाता।

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार महंगाई, भ्रष्टाचार और किसानों की बदहाली कभी दूर नहीं कर सकती है। वह प्रत्येक स्तर पर सत्ता का दुरूपयोग करती है। निर्दोषों को झूठे केसों में फंसाती है। लोकसभा चुनावों में पराजय के बाद भी भाजपा कुप्रचार करने से बाज नहीं आ रही है। अखिलेश यादव आज समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में डॉ0 राम मनोहर लोहिया सभागार में एकत्र पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का पीडीए भाजपा का मुकाबला करेगा और उसे हराएगा। पीडीए में समाज के सभी पक्षों के हित सुरक्षित हैं। पीडीए के माध्यम से सामाजिक न्याय के लिए लड़ाई को भी अंतिम परिणाम तक पहुंचाने का लक्ष्य है। कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान दोनों के लिए खतरा है। वह नफरत फैलाकर सामाजिक सद्भाव को तहस—नहस करने का इरादा रखती है। समाज में सभी को हक और सम्मान मिले इसके लिए समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना को आवश्यक मानती है। समाजवादी पार्टी की जब भी सरकार बनेगी जातीय जनगणना कराकर सबको हक और सम्मान दिया जायेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अपराधियों को खुली छूट है। महिलाओं और बच्चियों का जीवन असुरक्षित है। फर्जी एनकाउण्टरों की वजह से उत्तर प्रदेश की देश—दुनिया में बदनामी हो रही है। पुलिस हिरासत में मौतों के मामलों में भी उत्तर प्रदेश सबसे आगे हैं और उत्तर प्रदेश का नाम बदनाम हो रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को अराजकता की ओर धकेल दिया है। कोई भी भाजपा सरकार में सुखी नहीं है। व्यापारी और दुकानदार लूटे जा रहे हैं। दिनदहाड़े हत्याएं हो रही है। जनता भाजपा से इतना त्रस्त है कि वह 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को रिकार्ड मतों से हराकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने को संकल्पित है।

संस्कृति विभाग ने विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य नामित किए

मनोनयन से अकादमियों की गतिविधियां व्यापक और गुणवत्तापूर्ण होंगी -जयवीर सिंह

लखनऊ(आरएनएस)। संस्कृति विभाग ने उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, भारतेंदु नाट्य अकादमी, उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान और बिरजू महराज कथक संस्थान के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और गैर सरकारी सदस्यों को नामित किया है। इनका कार्यकाल पदभार ग्रहण करने से तीन वर्ष के लिए होगा। इनके मनोनयन के संबंध में आज प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने आदेश जारी कर दिया है।

यह जानकारी उ0प्र0 के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि संस्कृति विभाग के विभिन्न संस्थानों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य नामित किए जाने से कार्य की गुणवत्ता के साथ व्यापकता प्राप्त होगी। इससे संगीत, कला, नृत्य, ललित, नाट्य, गायन, वादन, लोककला, जनजातीय नृत्य सहित अन्य कलाओं व संस्कृति के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश और तेजी से विकास करेगा। प्रदेश के उभरते कलाकारों को सरकार द्वारा अधिक से अधिक कार्यक्रमों में सहभागी बनाया जाएगा ताकि कला एवं संस्कृति का संरक्षण और व्यापक प्रचार प्रसार हो सके।

जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष पद पर प्रो0 जयंत खोत, जनपद—प्रयागराज, उपाध्यक्ष पद पर विभा सिंह जनपद खीरी मनोनीत किए गए हैं। इसके अलावा डा0 ज्ञानेश चंद्र जिला—वाराणसी, कविता सिंह जिला—कानपुर, उपमा पांडेय जिला—आंबेडकर नगर, ज्योति सिन्हा जनपद—जौनपुर, अमित जायसवाल जनपद—महराजगंज, राकेश जायसवाल जनपद—मुरादाबाद, ज्योति मिश्रा जनपद—प्रयागराज, प्रभाकर मौर्य जनपद—अयोध्या, डा0 सुभाष चंद्र दीक्षित जिला—कासगंज, कांत शुक्ला जनपद—लखनऊ, ललितकुमार जिला—वाराणसी, सरोज रावत जिला—बाराबंकी को सदस्य मनोनीत किया गया है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि भारतेंदु नाट्य अकादमी में अध्यक्ष के पद पर डा0 रतिशंकर त्रिपाठी जिला—वाराणसी को मनोनीत किया गया है। दिनेश वास्तव जिला—वाराणसी, सुरेंद्र कुमार पांडेय जिला—फर्रूखाबाद, ओमेंद्र कुमार वर्मा जिला—कानपुर, आलोक शर्मा जिला—अलीगढ़, मानवेंद्र त्रिपाठी जिला—गोरखपुर को सदस्य मनोनीत किया गया है। जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी में अध्यक्ष पद पर डा0 सुनील कुमार विश्वकर्मा जिला—वाराणसी, उपाध्यक्ष पद पर गिरीश चंद्र जिला—सीतापुर को मनोनीत किया गया है। इसके अलावा अनिल सोनी जिला—मथुरा, डा0 संदीप वास्तव जिला—गोरखपुर, डा0 आभा सिंह जिला—आगरा, डा0 शुभम शिवा जिला—कानपुर, अभिनव दीप जिला—लखीमपुर खीरी को सदस्य मनोनीत किया गया है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि बिरजू महराज कथक संस्थान के अध्यक्ष पद पर कुमकुम धार जिला—लखनऊ, उपाध्यक्ष पद पर डा0 मिथिलेश तिवारी जिला—गोरखपुर को मनोनीत किया गया है। अनुज मिश्रा जिला—लखनऊ, रुचि बलूनी जिला—मेरठ, सोनी सेठ जिला—वाराणसी, सुरभि सिंह जिला—लखनऊ, डा0 गोपाल मिश्रा जिला—चित्रकूट को सदस्य मनोनीत किया गया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान के सदस्य पद पर डा0 कुमुद सिंह जिला—गोरखपुर, नरेंद्र पाठक जिला—आगरा, जग प्रसाद तिवारी व बेनी प्रसाद तिवारी जिला—महोबा, ब्रजभान मरावी जिला—बलरामपुर, सुरेश प्रसाद कुशवाहा जिला—लखनऊ को मनोनीत किया गया है। उन्होंने बताया कि मनोनीत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और गैर सरकारी सदस्यों को वर्ष 2014 में जारी शासनादेश के अनुसार सुविधाएं अनुमन्य होंगी।

जिले में 09 से 20 सितम्बर तक चलेगा क्षय रोगी खोज अभियान, स्वास्थ्य विभाग की 277 टीमें घर-घर जाकर लक्षणों की करेंगी जांच

lokndkrkA

बाराबंकी। जिले में 09 सितम्बर से 20 सितम्बर, 2024 तक 20 प्रतिशत आबादी पर चलाया जायेगा क्षय रोगी खोज अभियान स्वास्थ्य विभाग की 277 टीमें घर—घर जाकर लक्षणों के आधार पर (02 सप्ताह से अधिक खाँसी, दो सप्ताह से अधिक बुखार, बलगम में खून आना, भूख में कमी, वजन का कम होना, रात में

पसीना आना, गले में गाँठ होना (लिम्फनोड), महिलाओं में बांझपन की समस्या) सम्भावित रोगियों की जाँच की जायेगी।

यह जानकारी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. राजीव टण्डन ने डिस्ट्रिक टीबी सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के प्रशिक्षण के दौरान दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक टीम में तीन सदस्य होगें जिसमें आशा एवं स्थानीय कार्यकर्ता होगें। टीमों के सुपरविजन के लिए प्रत्येक चार से पॉच टीमों पर एक सुपरवाइजर होगा, जिनकी संख्या 60 है। उन्होंने बताया कि यह अभियान मलीन बस्ती, हार्ड रिस्क जनसंख्या (एच०आई०वी० एवं डायबिटीज), अनाथालय, वृद्धाश्रम,

नारी निकेतन, बाल संरक्षण गृह, मदरसा, नवोदय विद्यालय, कारागार, सब्जी मण्डी, फल मण्डी, लेबर मार्केट, ईंट भट्ठे, स्टोन क्रेशर, खदान, साप्ताहिक बाजार इत्यादि में चलाया जायेगा। अभियान में जिले की आबादी की 20 प्रतिशत आबादी को अच्छादित करते हुए शहरी एवं ग्रामीण बस्ती क्षेत्र में यह अभियान चलेगा।

खिलाड़ियों के बीच खेल संबंधी चोट से बचाव हेतु सेमिनार का किया गया आयोजन

लखनऊ(आरएनएस)। खिलाड़ियों के बीच खेल की चोट पर जागरूकता के संदेश को फैलाने के उद्देश्य से ए0के0 सेठी, क्षेत्रीय खेल अधिकारी और स्पोर्ट्स कॉलेज के प्राचार्य, के सम्मानित संगठन के तहत 7 सितंबर 2024 को के0डी0 सिंह बाबू स्टेडियम में सफलतापूर्वक एक सेमिनार का आयोजन किया गया।इस पहल को खेल—संबंधी चोटों की व्यापकता और रोकथाम के बारे में युवा एथलीटों को जागरूक करने के प्राथमिक लक्ष्य के साथ सोच—समझकर तैयार किया गया था यह एक महत्वपूर्ण पहलू है जो एथलीटों के प्रशिक्षण और एथलेटिक प्रदर्शन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है।ऑर्थोपेडिक सर्जन और स्पोर्ट्स मेडिसिन के विशेषज्ञ डॉ. पुलक शर्मा ने एक व्यावहारिक और व्यापक प्रस्तुति दी, जिसमें विभिन्न प्रकार की खेल चोटों, उनके कारणों और प्रभावी प्रबंधन रणनीतियों को शामिल किया गया। अपनी प्रस्तुति के दौरान, डॉ. शर्मा ने एथलीटों के शरीर को शारीरिक परिश्रम के लिए तैयार करने के लिए उचित वार्म अप को लागू करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने खेल विषयों के अनुरूप उपयुक्त गियर के चयन की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला और चोटों को कम करने के लिए प्रशिक्षण सत्रों के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन पर जोर दिया। इसके अलावा, इस कार्यक्रम ने न केवल प्रतिभागियों को अमूल्य जानकारी प्रदान की, बल्कि उपस्थित लोगों के बीच चर्चा के लिए अनुकूल और आकर्षक वातावरण भी प्रदान किया। खेल चोटों को रोकने के लिए रणनीतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, इस पहल का उद्देश्य एथलीटों को आवश्यक ज्ञान के साथ सशक्त बनाना था, जो न केवल प्रतिस्पर्धी खेलों में उनकी दीर्घायु में योगदान देगा बल्कि संबंधित क्षेत्रों में उनके प्रदर्शन को भी बढाएगा। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को प्रश्न पूछने और व्यक्तिगत अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे एथलेटिक्स में स्वास्थ्य और प्रदर्शन को बनाए रखने की जानकारी साझा करना का अवसर मिला। खेल प्रतियोगिताओं में एथलीटों की निरंतर और चोट मुक्त भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए इसी तरह के आयोजनों का आयोजन महत्वपूर्ण है।

भारत—बांग्लादेश सीरीज रद करने की मांग को लेकर हिन्दू महासभा का प्रदर्शन आज

लखनऊ। बांग्लादेश में हुये तख्तापलट के बाद वहां हिन्दुओं के साथ हुये अत्याचार होने के बावजूद भारत में होने जा रही भारत—बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज को रद्द करने की मांग को लेकर अखिल भारत हिन्दू महासभा त्रिदंडी कल 8 सितम्बर को अपराह्न दो बजे जीपीओ, अटल चौराहा, हजरतगंज में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी व राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन करेगी। यह जानकारी पार्टी के कार्यालय सचिव प्रमोद त्रिवेदी ने दी। मालूम हो कि आगामी 19 सितम्बर से शुरू होने वाली सीरीज को रद करने के लिये पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र भेजा गया था, किन्तु उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया, जिसके चलते हिन्दू महासभा त्रिदंडी सड़कों पर उतर प्रदर्शन करन जा रही है। बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ अत्याचार होने के बावजूद भारतीय क्रिकेट कण्ट्रोल बोर्ड बांग्लादेश क्रिकेट टीम के स्वागत के लिये पलक पावड़े बिछाकर दो टेस्ट और तीन टी20 मैचों की सीरीज आयोजित करने जा रहा है।

संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का प्रयागराज जंक्शन तक होगा विस्तार

कुंभ के दौरान छिवकी से होगी रवाना

प्रयागराज(आरएनएस)। संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का महाकुंभ के पहले प्रयागराज जंक्शन तक विस्तार हो जाएगा। कुंभ के दौरान इसे छिवकी से ही चलाया जाएगा। बाद में जंक्शन से शिफ्ट कर दी जाएगी। अभी इसका संचालन मानिकपुर से हजरत निजामुद्दीन स्टेशन तक हो रहा है। मानिकपुर से गाड़ी संख्या 12447 यूपी संपर्क क्रांति वर्तमान समय हर रोज शाम 6रू25 बजे चलकर अगले दिन सुबह 5रू22 बजे दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन पहुंच जाती है। इसका चित्रकूट, अत्तर्रा, बांदा जंक्शन, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, वीरागंना लक्ष्मीबाई झांसी, आगरा कैंट एवं मथुरा जंक्शन पर ठहराव है।पिछले वर्ष ही यूपी संपर्क क्रांति के प्रयागराज तक विस्तार किए जाने का मुद्दा उठा था। इसे लेकर रेलवे बोर्ड स्तर तक में तैयारी पूरी हो गई है। प्रयागराज जंक्शन तक के विस्तार की घोषणा किसी भी दिन की जा सकती है।हजरत निजामुद्दीन से यूपी संपर्क क्रांति रात आठ बजे चलकर अगले दिन सुबह 7रू30 बजे मानिकपुर पहुंच जाती है। यह 11 घंटे मानिकपुर में ही खड़ी रहती है। मानिकपुर जंक्शन पहले उत्तर मध्य रेलवे झांसी मंडल के अधीन था, लेकिन अब यह प्रयागराज मंडल के अधीन है। इसी वजह से यूपी संपर्क क्रांति को प्रयागराज शिफ्ट करने की तैयारी चल रही है। महाकुंभ के पूर्व यह ट्रेन प्रयागराज से संचालित होने लगेगी। इससे बुंदेलखंड के तमाम जिलों से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी।यूपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में कुल 22 कोच हैं। इसमें 15 कोच सिर्फ एसी श्रेणी के हैं। इसमें एसी थ्री के दस, एसी टू के चार एवं एसी फर्स्ट कम एसी टू के एक—एक कोच हैं। इसके अलावा स्लीपर श्रेणी के दो, जनरल के तीन एवं एसएलआरडी और एलपीआर श्रेणी के एक—एक कोच हैं।एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी के अनुसार यूपी संपर्क क्रांति को यहां से शाम 4रू30 बजे रवाना किया जा सकता है। प्रयागराज से मानिकपुर के बीच इसका शंकरगढ़ में ठहराव किए जाने की तैयारी है। मानिकपुर से निजामुद्दीन पहुंचने की समय सारिणी में अंतर नहीं होगा। वहीं, वापसी में संपर्क क्रांति सुबह 9रू30 बजे प्रयागराज आएगी।

प्रयागराज में फर्जी आईबी अफसर गिरफ्तार

नामी स्कूलों में एडमिशन के नाम पर लेता था रुपए, प्रिंसिपल को दे रहा था धमकी

प्रयागराज(आरएनएस)। शहर के नामी कॉलेज गर्ल्स हाईस्कूल में दाखिले की मार यूं हो गई है कि फर्जी अफसर का धौंस देकर एडमिशन कराने को लेकर प्रधानाचार्य को धमकी देने वाले फर्जी आईबी अफसर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके दो साथियों की छानबीन की जा रही है।शहर में गर्ल्स हाईस्कूल में एडमिशन के लिए कई बार हंगामा हो चुका है। कई तरह के फर्जी फोन कॉल कर एडमिशन कराने के मामले सामने आते रहे हैं। इसके बाद प्रधानाचार्य ने पता लगाया तो जानकारी मिली जिले में इस नाम का कोई आईबी अधिकारी नहीं है। पुलिस अधिकारियों को जानकारी दी गई तो पता चला कि आकाश पहले बीएचएस में काम करता था, तब प्रिंसिपल दूसरे थे। मामले में पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई तो उसके बारे में ब्लैकमेलिंग के कई और मामले सामने आ गए। कॉलेज में एडमिशन कराने के नाम पर इसने कई लोगों से 1.5 लाख तक ले लिया था। सिविल लाइन्स पुलिस ने जांच के बाद आरोपी आकाश त्रिपाठी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह आईबी अफसर बनकर डरा रहा था। इंस्पेक्टर सिविल लाइंस राम आसरे यादव ने बताया कि जीएचएस की प्रिंसिपल ने तहरीर दी है। तहरीर में बताया कि कैलाश पुरी कॉलोनी शिवकुटी के रहने वाले आकाश त्रिपाठी खुद को नेशनल इंटेलिजेंस ब्यूरो का अधिकारी बनकर फोन किया और स्कूल में छात्राओं के एडमिशन के लिए दबाव बनाता था। वह पहले भी कई बार ऐसा कर चुका था। इन दिनों वह फिर से एक एडमिशन का दबाव बनाने लगा। इस दौरान उसकी तस्वीर ले ली गई।इसके बाद प्रधानाचार्य ने पता लगाया तो जानकारी मिली जिले में इस नाम का कोई आईबी अधिकारी नहीं है। पुलिस अधिकारियों को जानकारी दी गई तो पता चला कि आकाश पहले बीएचएस में काम करता था, तब प्रिंसिपल दूसरे थे।

बाल कल्याण संरक्षण समितियों को दिया जा रहा तीन दिवसीय प्रशिक्षण

प्रयागराज(आरएनएस)। एक्शनएड एसोसिएशन व यूनिसेफ के जिला समन्वयक रवि कुमार द्वारा अलग—अलग पंचायतों की बाल कल्याण संरक्षण समितियों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।एक्शनएड एसोसिएशन तथा यूनिसेफ के जिला समन्वयक रवि कुमार के द्वारा प्रयागराज बहादुरपुर विकासखंड के भोपतपुर, मीरापुर, सिंगरामऊ , दरियापुर उर्फ गुलालपुर, कोतारी, मेडुआ, रामनगर, वारी, नीबी कलां जैसे अनेकों पंचायतों में बाल विवाह, बालश्रम, बाल हिंसा, बाल तस्करी जैसे मुद्दों से बाल संरक्षण को लेकर ग्राम बाल कल्याण संरक्षण समिति व विद्यालय प्रबंधन समितियों व किशोरियों को सशक्त बनाने के लिए सामाजिक व्यवहार परिवर्तन के माड्यूलों पर अलग—अलग कहानी, रोल प्ले, वीडियो व गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है।इसी क्रम में आज प्रयागराज बहादुरपुर विकासखंड के कोतारी ग्राम पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र में जिला समन्वयक रवि कुमार के द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें नई पहल बाल संरक्षण परियोजना का परिचय कराते हुए सत्रों की शुरुआत की।महिला कल्याण विभाग की समाजिक कार्यकर्ता मंजू पाल ने प्रतिभागियों को बच्चों से संबंधित कन्या सुमंगला योजना, स्पांसरशिप योजना जैसी योजनाओं से जोड़ने के लिए विस्तार से जानकारी दीं। आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक्शनएड समन्वयक रवि कुमार, महिला कल्याण विभाग से मंजू पाल, ग्राम प्रधान राम सिंह, आंगनबाड़ी विजमा यादव, अनीता, आशा कार्यकत्री सुमन मौर्या,पुष्पा देवी, जावित्री देवी, पंचायत सहायिका बीनू देवी, समूह सखी सोनकली, किशोरियों में नीतू भारतीया, रेशमा भारतीया, श्वेता, उजाला वर्मा, सीमा, आशाराम, संगीता पाल सहित पंचायत

केसरवानी वैश्य सभा ने पिछड़ा वर्ग में शामिल होने के लिए सौंपा मंत्री नंदी को ज्ञापन

प्रयागराज(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश केसरवानी वैश्य सभा के तत्वाधान में प्रदेश अध्यक्ष तीर्थराज गुप्ता के नेतृत्व में केसरवानी समाज को पिछड़े वर्ग के आरक्षण के लिए प्रदेश महामंत्री प्रमिल केसरवानी ने नंद गोपाल गुप्ता नंदी कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को सर्किट हाउस प्रयागराज में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा।इस अवसर मंत्री नंदी ने आश्वासन देते हुए कहा कि आपके इस मांग को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का कार्य करूंगा और केसरवानी समाज को पिछड़े वर्ग में शामिल करने के लिए पूरा प्रयास करूंगा।उक्त अवसर पर राष्ट्रीय संरक्षक कोषाध्यक्ष सतीश चन्द्र केसरवानी ने ज्ञापन के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करते हुए कहा कि केसरवानी समाज को पिछड़ा वर्ग में जल्द से जल्द शामिल किया जाए। क्योंकि बिहार एवं झारखंड में केसरवानी समाज को पिछड़े वर्ग का आरक्षण प्राप्त है इसलिए उत्तर प्रदेश में भी केसरवानी समाज को पिछड़े वर्ग का आरक्षण प्राप्त हो।राष्ट्रीय प्रबंधमंत्री विनोद केसरवानी और महामंत्री प्रमिल केसरवानी एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष रमेश चंद्र केसरवानी ने बताया कि इस संबंध में 2 वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा गया है। सन 1979 में गठित बी0पी0 मंडल आयोग ने भी अपने प्रतिवेदन के भाग संख्या 2 पेज 171 में केसरवानी जाति को अन्य पिछड़ा वर्ग में सम्मिलित किए जाने हेतु अनुशासित किया है।उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सतीश चंद्र केसरवानी, विनोद केसरवानी एडवोकेट, प्रवेश केसरवानी, राजेश केसरवानी, राजेंद्र केसरवानी, रामचंद्र गुप्ता, कन्हैयालाल गुप्ता, सुरेश चंद केसरवानी, लक्ष्मण केसरवानी, गुड्डू केसरवानी, अनिरुद्ध केसरवानी, धर्मेंद्र कुमार केसरवानी, पारस केसरवानी, राजेश केसरवानी, राधे श्याम केशरवानी, अशोक कुमार केसरवानी, शंभू लाल केशरवानी, अनिल कुमार केसरवानी, रंजीत केसरवानी, धर्मेंद्र केसरवानी आदि बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 08 सितंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

मैकफेयर इण्टरनेशनल में दिखा विज्ञान, गणित एवं कला का अद्भुद संगम

लखनऊ, 7 नवम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, महानगर कैम्पस के तत्वावधान में सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित किये जा रहे चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं कम्प्यूटर फेस्टिवल 'मैकफेयर इन्टरनेशनल–2024' के दूसरे दिन आज देश–विदेश से पधारे छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने ज्ञान–विज्ञान का बेहतरीन प्रदर्शन करने के साथ ही मित्रता व आपसी भाईचारा का संदेश भी दिया। मैकफेयर के दूसरे दिन आज भूटान, श्रीलंका, नेपाल एवं देश के विभिन्न प्रान्तों के प्रतिष्ठित

विद्यालयों की पधारी छात्र टीमों ने वाद–विवाद, साइंस क्विज, ग्रुप डिस्कशन, वाद–विवाद, साइंस कैरेक्टर स्पीक, साइंस ओलम्पिाड, पॉवर प्वाइंट, मैक–रोबो रेस, साइंस ड्रामा, साइंस मॉड्यूल डिस्प्ले, मैथ्स क्विज एवं साइंस फिक्शन राइटिंग प्रतियोगिताओं में अपने ज्ञान–विज्ञान व वैज्ञानिक प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया।

साथ ही विज्ञान, कम्प्यूटर, गणित, अंग्रेजी और कला के अद्भुद संगम से दर्शकों का मन लुभाया।इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रों ने 'आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स – बून ऑर बेन' विषय पर पक्ष व विपक्ष में जोरदार ढंग से अपने विचार रखे। प्रतियोगिता में छात्रों के सारगर्भित विचारों व अभिव्यक्ति क्षमता को देख दर्शक दंग रह गये।इसके अलावा, आज एक बेहद दिलचस्प 'कैरेक्टर स्पीक प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें प्रतिभागी छात्रों ने प्रख्यात वैज्ञानिकों के चरित्र व उनकी खोज को मंच पर प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता के अन्तर्गत छात्रों ने किसी प्रख्यात वैज्ञानिक की वेशभूषा में उनके चरित्र का अभिनय करते हुए उनके अविष्कार को उजागर किया। इस प्रतियोगिता में न केवल छात्रों का ज्ञानवर्धन हुआ अपितु उनकी रचनात्मकता, कला–कौशल व अभिनय क्षमता भी प्रदर्शित हुई।

संस्कार सेना की जिला शाखा बैतूल ने किया शिक्षकों और शिक्षिकाओं का सम्मान

बैतूल संस्कार सेना की जिला शाखा बैतूल के जिला अध्यक्ष राजेश पवार ने , सरस्वती विद्या मंदिर शोभापुर कालोनी पाठाखेड़ा में शिक्षक दिवस के उपलक्ष में शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का किया सम्मान इस अवसर पर स्कूल परिसर में सैकड़ो छात्र–छात्राएं एवं

समस्त स्टाफ मौजूद था।

श्री पवार ने बताया कि शिक्षक दिवस के उपलक्ष में बच्चों में संस्कार देने एवं अपने शिक्षकों और माता–पिता का सम्मान करने की बात कही उन्होंने कहा कि एक शिक्षार्थी के जीवन में शिक्षक का कितना महत्वपूर्ण स्थान होता है इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि अशोक सम्राट तभी चक्रवर्ती बन सके जब उनके पास सही मार्गदर्शन दिखाने वाले आचार्य चाणक्य थे। विश्व के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन तभी बन पाए जब उन्हें सिखाने वाले गुरु द्रोणाचार्य जैसे तेजस्वी गुरु उनके पास थे।

जिला अध्यक्ष राजेश पवार ने प्रिंसिपल डी के मालवीय ,डी भालेकर, शिक्षीका श्रीमती एल पाटिल ,श्रीमती सी पवार ,श्रीमती दुर्गाबाई ,को फील्ड देकर सम्मानित किया उक्त अवसर पर उन्होंने भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष में केक भी काटा।

संवैधानिक रूप से भारत घोषित हो हिंदू – राष्ट्र परमहंस

अयोध्या(आरएनएस)। तपस्वी छावनी के पूर्व महंत सर्वेश्वर दास की पुण्यतिथि के अवसर पर तपस्वी छावनी के वर्तमान पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य द्वारा भारत को संवैधानिक रूप से हिंदू राष्ट्र घोषित करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय सनातन धर्म संसद का आयोजन किया गया, इस अवसर पर संतों की गरिमामयी उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय धर्म अंतरराष्ट्रीय सनातन धर्म संसद में सात सुत्रीय प्रस्ताव पारित किए गए जिसमें प्रमुख रूप से भारत को संवैधानिक रूप से हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए, गोवंश को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जाए ,श्री रामचरितमानस और गीता को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित किया जाए, राष्ट्र को बेरोजगार मुक्त किया जाए, ईसाई और मुसलमानों के लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू किया जाए ,समान नागरिक संहिता लागू किया जाए तथा घुसपैठियों रोहिंग्या आतंकवादियों को देश से बाहर किया जाए,

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा लगाई गयी प्रदर्शनी

सोहावल–अयोध्या(आरएनएस)।बाल विकास परियोजना के तहत शासन द्वारा घोषित पोषण माह के अंतर्गत शनिवार को तहसील मुख्यालय पर आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा माह का शुभारंभ किया गया। समाधन दिवस में आये अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व महेन्द्र कुमार सिंह ने उप जिलाधिकारी अशोक कुमार सैनी के साथ मिलकर फीता काटकर दीप प्रज्वलित किया। क्षेत्र की सीडीपीओ अनिता सोनी के नेतृत्व में आई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने बच्चों के पोषण सम्बन्धी आहार से जुड़ी सामग्री फल फूल सब्जियां बिस्कुट एवं पका भोजन आदि का स्टाल लगाकर प्रदर्शित किया।

हैरिंग्टनगंज ब्लाक में आयोजित हुई प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता

–प्रतियोगिता का समापन खेल मंत्री गिरीश चन्द्र यादव करेंगे

अयोध्या(आरएनएस)। प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता में हैरिंग्टनगंज के शहीद राम सूरत इंटर कालेज के सामने देहली बाजार मार्ग पर ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने किया। प्रतियोगिता के पहले दिन बॉलीवॉल, रस्साकसी तथा कबड्डी की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। दो दिवसीय प्रतियोगिता में कबड्डी की 16, बॉलीवाल की 11 तथा रस्साकसी की आठ टीमें भाग ले रहीं है।

एनकाउंटर की मजिस्ट्रेटी जांच करेंगी लंभुआ एसडीएम

सुल्तानपुर(आरएनएस)। एक लाख के इनामी बदमाश मंगेश को गुरुवार तड़के एसटीएफ ने कोतवाली देहात मिश्रपुर पुरैना के पास मुठभेड़ में मार गिराया था। तब से ही एनकाउंटर पर सवाल खड़े हो रहे हैं। डीएम कृतिका ज्योत्सना ने मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दे दिए हैं, एसडीएम लम्भुआ विदुषी सिंह को पंद्रह दिन के अंदर जांच रिपोर्ट सौंपनी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी एनकाउंटर पर उंगली उठाते हुए कहा था कि पुलिस ने जाति देखकर गोली मारी है। इसी क्रम में लूटे गए ज्वैलर भरत जी सोनी ने कहा है कि लूटा गया सोना उन्हें अब तक नहीं मिले हैं। एडीएम गौरव शुक्ला ने पूरे मामले में बताया कि शासन के निर्देश पर डीएम ने एसडीएम लम्भुआ को जांच सौपी है, उन्हें पंद्रह दिन के अंदर अपनी जांच रिपोर्ट सौंपनी है। ऐसे में मंगेश के परिवार के साथ साथ आसपास के लोग भी अपना बयान दर्ज करा सकते हैं, लखनऊ–वाराणसी हाइवे पर कोतवाली देहात थाना अंतर्गत मिश्रपुर पुरैना गांव पास बीते गुरुवार तड़के एक लाख के इनामी बदमाश मंगेश यादव को यूपी एसटीएफ ने मुठभड़ में मार गिराया था। एसटीएफ का दावा है कि उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था। गुरुवार शाम तीन डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के दौरान उसके सिर में साइड से व बाएं हाथ में गोली लगी मिली, पोस्टमार्टम की कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी करवाई गई थी। एसटीएफ सीओ डीके शाही के अनुसार मंगेश यादव और उसका साथी सुल्तानपुर से जौनपुर भागने की फिराक में थे, इनपुट के आधार पर टीम ने हनुमानगंज बाईपास पर उन्हें घेरा, सुबह 4 बजे दोनों बदमाश बाइक से जा रहे थे, उन्हें रोकने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने टीम पर फायर कर दिया। टीम ने खुद को बचाने के लिए जवाबी फायरिंग की जिसमें मंगेश यादव घायल हो गया। जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई, दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। मंगेश के पास से 31 की पिस्टल, 315 बोर का तमंचा, बाइक और लूटे गए जेवर बरामद किए हैं। वही व्यापारी भरत जी का कहना है कि उन्हे अभी तक पूरा माल वापस नही मिला है और लूटे गये सोना का तो उक टुकड़ा भी नही मिला।

पड़ोसी को फंसाने के लिए दी मासूम की बलि

जौनपुर(आरएनएस)। जिले में मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है, जिसमें एक महिला ने अपने पड़ोसी को फंसाने के लिए एक मासूम बच्ची की बलि चढ़ा दी। महिला ने ढाई साल की मासूम बच्ची का अपहरण किया और फिर उसकी हत्या कर दी। बच्ची का शव घर के करीब खेत से बरामद किया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादपुर कोटिला गांव की है।पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि घर के गलियारे में बच्ची का पायल और अन्य सामान मिला। सामान के साथ एक पत्र भी था जिसमें लिखा था कि 10 लाख रुपए देने के बाद बच्ची को छोड़ा जाएगा। पुलिस की और छानबीन के दौरान पता चला कि आरोपी महिला आशा सिंह ने अपने पड़ोसी को फंसाने के चक्कर में बच्ची की हत्या कर दी और पुलिस की जांच को दूसरी दिशा में मोड़ने के लिए फिरौती का पत्र लिखा। अपर पुलिस अधीक्षक नगर अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि बदलापुर थाना अंतर्गत एक बच्ची के खो जाने की सूचना पर तत्काल अभियोग पंजीकृत कर तलाश की जा रही थी। शुक्रवार को बच्ची का शव गांव के एक खेत से प्राप्त हुआ। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा किया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। आरोपित को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ और अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही।

पण्डाल सजे, गणेष महोत्सव का षुभारंभ

जौनपुर(आरएनएस)। जिले में गणेष महोत्सव का षुभारंभ विधि विधान से हो गया हैं । ष्हर के प्रमुख बाजारों में पूजन समितियों द्वारा आकर्षक पण्डाल और लाइटिग कर गणेष की प्रतिमायें स्थापित की गयी है। गणपति पूजा महासमिति के विशाल खत्री व प्रिन्स सेठ ने बताया कि महासमिति के अर्न्तगत कुल 58 संस्थाएं जुड़ी है जबकि जिले भर में कुछ ऐसी संस्थाएं भी है जो अलग–अगल दिनों में विर्सजन करतीं हैं। ऐसे में जनपद भर में लगभग 150 से अधिक स्थानों पर गणपति की प्रतिमा स्थापित की जाती है गणपति बप्पा के भक्तों को हर साल गणेश चतुर्थी के दिन बप्पा के आगमन का बेसब्री से इंतजार रहता है। गणेश महोत्सव का जश्न कई दिनों तक मनाया जाता है। जिसका आरंभ गणेश चतुर्थी से होता है। घर और पूजा पंडाल में गणपति बप्पा की मूर्ति स्थापित की जाती है और उनकी विधिवत पूजा की जाती है और गणेशजी को उनके प्रिय चीजों का भोग लगाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से पर बप्पा प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों को सुख–समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।वहीं, गणेश चतुर्थी का समापन अनंत चतुर्दशी के दिन होता है। गणेश महोत्सव के दौरान गणपति के पूजन में उन्हें उनके कुछ प्रिय चीजों का भोग लगाया जाता है। गणेशजी को मोदक अतिप्रिय है। इसलिए गणेश महोत्सव के दौरान उन्हें मोदक का भोग जरूर लगाया जाता है। गणेश जी लड्डू भी बहुत पसंद है। पूजा के दौरान उन्हें लड्डू का भी भोग लगा सकते हैं। गणेशजी को नारियल अर्पित करना शुभ होता है। मान्यता है कि इससे जीवन में सुख–समृद्धि और खुशहाली आती है। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर महाराष्ट्र में गणेश जी को पूरल पोली का भोग लगाया जाता है। गणेशजी को पूरन पोली का भी भोग लगाया जा सकता है। गणेश पूजन के दौरान गणपति को पंचमेवा का भोग लगा सकते हैं। मान्यता है कि इससे जीवन की हर दुख–बाधा समाप्त होती है।

गुड़ एक पारंपरिक भोग है, जो विघ्नहर्ता श्रीगणेशजी को बेहद प्रिय है। गणेश महोत्सव के दौरान बप्पा को गुड़ का भोग लगा सकते हैं। गणेश पूजन में गणपति को मखाना खीर भी अर्पित करना शुभ फलदायी माना गया है। गणेश चतुर्थी के दौरान गणेश जी को श्रीखंड का भोग लगा सकते हैं। मान्यता है कि इससे गणेश जी प्रसन्न होते हैं।

विद्यार्थियों को स्टेडियम में कराया गया भ्रमण

जौनपुर(आरएनएस)वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के वित्तीय अध्ययन विभाग में संचालित एमबीए फाइनेंस एंड कंट्रोल के अंतर्गत दीक्षारंभ समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक शनिवार को किया गया। दीक्षारम्भ कार्यक्रम के तहत नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय, एकलव्य स्टेडियम समेत कई विभागों में भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं का परिचय विभाग के समस्त वरिष्ठ छात्र–छात्राओं से वरिष्ठ छात्र सेजल श्रीवास्तव एवं किशन चौहान के नेतृत्व में कराया गया। तत्पश्चात विभाग के प्राध्यापक प्रो.अजय द्विवेदी, डॉ. आलोक गुप्ता, सुशील कुमार, मो. अबू सालेह, मनोज कुमार त्रिपाठी व यशि सिंह तथा वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने छात्र–छात्राओं को विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न संकाय व उपलब्ध सुविधाओं तथा विश्वविद्यालय की अवधारणा को बताया। विभाग के वरिष्ठ छात्र–छात्राओं ने अपना परिचय नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं को तथा नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं ने अपना परिचय वरिष्ठ छात्र–छात्राओं को दिया। इसके उपरांत नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं को संकाय के अलग–अलग विभागों का भ्रमण कराया गया तथा संकाय में उपलब्ध सुविधाओं जैसे कि विभागीय लाइब्रेरी, मीटिंग रूम, ग्रुप डिस्कशन रूम, कॉन्फ्रेंस रूम, कंप्यूटर लैब व गर्ल्स कॉमन रूम इत्यादि के बारे में बताया गया। तत्पश्चात सभी छात्र–छात्राओं एकलव्य स्टेडियम में पहुंचे । वहां क्रीड़ा प्रभारी ने बताया कि विश्वविद्यालय में कुल 36 इंडोर व आउटडोर गेम्स उपलब्ध हैं, जिससे समय– समय पर आयोजित भी कराया जाता रहता है। उन्होंने बताया कि अभी तक कुल 5 विश्वविद्यालय के ऐसे छात्र रहे है। जिन्होंने ओलंपिक खेल मे प्रतिभाग किया है इसके बाद उन्होंने ने विश्वविद्यालय का मेजर ध्यानचंद इंदूर स्टेडियम का अवलोकन कराया जहां उन्होंने विश्वविद्यालय कि उपलब्धियों से संभित जानकारी व चित्रों से अवगत कराया। तत्पश्चात भ्रमर दल अमृत सरोवर पहुचा जहां उन्होंने एक पौधा ''अपने माँ '' के नाम पर लगाया ।

जलसे के तीसरे दिन बयान की गई हुजूर की सीरत

जौनपुर(आरएनएस) । इस्लामी महीना रबी उल अव्वल की शुरुआत होते ही शहर के कोतवाली के सामने किदवई पार्क में 12 दिवसीय होने वाले सीरतुन्नबी व महफिलें मिलाद शरीफ के तीसरे दिन ष्निवार को मौलाना कयामुद्दीन ने हजरत मोहम्मद पैगंबर की सीरत पर बयान किया ।उन्होंने बताया कि हुजूर जब नमाज पढ़ने के लिए अपने घर से निकलते थे तो एक बूढी औरत उनसे बहुत ज्यादा नफरत करती थी वह घरों का कूड़ा इकट्ठा करके रखे रहती थी और जब हुजूर उस रास्ते से निकलते तो वह कूड़ा उनके ऊपर फेंक देती तो हुजूर कुछ ना कहते वापस घर को जाते नहाते और कपड़े बदलते और फिर से नमाज पढ़ने चले जाते यह सिलसिला एक दिन टूट गया तो हुजूर एक बार रास्ते से वापस मुड़े उन्होंने सोचा कि हो सकता है कि बूढ़ी औरत आज कुछ कर रही हो इसलिए उनको ख्याल नहीं आया वह फिर लौटे फिर मुड़े फिर लौटे लेकिन वह बूढ़ी औरत नहीं आई वह नमाज पढ़कर के वापस लौटे तो उस औरत का हाल जाना जब उनको पता चला की उस औरत की तबीयत खराब है तो उसको देखने के लिए चले गए यह देखने के बाद उस औरत ने अपनी गलती की माफी मांगी और वह ईमान ले आई तो ऐसी थी हजरत मोहम्मद पैगंबर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सीरत । अहमद रजा ने अपनी बेहतरीन नातो से शमा बंद कर महफिल में चार चांद लगा दिया।

विद्यालय परिसर में घुस कर अराजक ने किया हंगामा

करौंदीकला सुलतानपुर। प्रधानाध्यापक संजय कुमार मिश्र और अन्य शिक्षकों के साथ अशोक निषाद ने अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी। यह घटना प्राथमिक विद्यालय बहाउद्दीनपुर निषाद बस्ती की है जहां पर संजय कुमार मिश्रा प्रधानाध्यापक हैं। बहाउद्दीनपुर गांव के ही अराजक व्यक्ति अशोक निषाद पुत्र दयाराम निषाद ने विद्यालय में घुसकर अध्यापकों साथ गाली गलौज मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दिया। बार बार रोकने के बाद भी अशोक निषाद ने गाली गलौज करते हुए हाथापाई किया। पीड़ित अध्यापक संजय कुमार मिश्रा, अमरजीत रजक और नागेंद्र ने थाना करौंदीकला ने मुकदमा पंजीकृत करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया हैं। उपरोक्त प्रकरण के संबंध में 'थानाध्यक्ष उपेंद्र सिंह ने बताया कि संजय कुमार मिश्रा

की तरफ से प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है और आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी।

प्रधान व पंचायत सचिव ने शौचालय का पैसा किया हजम, दर्ज होगी एफआईआर

सुलतानपुर(आरएनएस)। जिले के ग्राम गोथुआ जागीपुर सभा मे बिना शौचालय निर्माण कराए ग्राम प्रधान व तत्कालीन पंचायत सचिव राम सुन्दर गुप्ता ने लगभग 14 लाख रुपये निकाल कर गटक दिए। मामले की शिकायत होने पर जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ल ने जांच के निर्देश दिए जांच में 14 लाख रुपये का घोटाला बाहर आया जिस पर ग्राम प्रधान व तत्कालीन पंचायत सचिव से स्पष्टीकरण मांगा गया। लेकिन संतुष्ट जवाब नहीं मिलने पर सम्बन्धित सहायक विकास अधिकारी पंचायत को उक्त ग्राम प्रधान व तत्कालीन पंचायत सचिव के विरुद्ध संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

डीपीआरओ ने बताया कि लम्भुआ की ग्राम पंचायत गोथुआजागीपुर के ग्राम निधि खाता–6 के स्टेटमेन्ट का अवलोकन किये जाने के उपरान्त ग्राम पंचायत गोथुआजागीपुर में माह जूनध्जुलाई 2024 में बिना इज्जत घर निर्माण कराये ही ग्राम निधि खाता 6 से लगभग 14 लाख रुपये का आहरण किया गया। उक्त मामले में तत्कालीन पंचायत सचिव राम सुन्दर गुप्ता ग्राम पंचायत गोथुआजागीपुर, विकासखण्ड लम्भुआ, को विगत 05 अगस्त 2024 द्वारा नोटिस निर्गत करते हुए संदर्भित प्रकरण में सुसंगत साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। डीपीआरओ श्री शुक्ल ने बताया कि पर्याप्त समयावधि व्यतीत हो जाने के उपरान्त भी ग्राम प्रधान एवं सम्बन्धित पंचायत सचिव द्वारा संदर्भित प्रकरण में कोई स्पष्टीकरण नहीं प्रस्तुत किया गया, जिससे स्पष्ट हो गया कि ग्राम प्रधान एवं सम्बन्धित्त पंचायत सचिव द्वारा जानबूझकर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा०) के मार्गदर्शक सिद्धान्तों के विपरीत इज्जत घर निर्माण की प्रोत्साहन राशि का भुगतान फर्म सुनील के टेडर्स एवं ए०पी०एस० इन्टर प्राइजेज को करते हुए शासकीय धनराशि का गबन कर लिया गया है। चूंकि ग्राम निधि–6 खाते में उपलब्ध धनराशि को निदेशालय स्तर पर प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये गये थे, इस सन्दर्भ में पंचायत सचिव एवं सहायक विकास अधिकारी (पं०) द्वारा इस आशय का प्रमाण–पत्र दिया गया था कि ग्राम पंचायत में कोई धनराशि अवशेष नहीं है। उक्त से स्पष्ट है कि सम्बन्धित पंचायत सचिव द्वारा उक्त तथ्य को छिपाते हुए प्रमाण–पत्र दिया गया था। इस प्रकार सम्बन्धित पंचायत सचिव की अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता एवं उच्चाधिकारियों के आदेशों/निर्देशों की अवहेलना, पदीय दायित्वों एवं कर्तव्यों का निर्वहन न करना, सचिव ग्रा०पं० के पद का दुरुपयोग करने का द्योतक है। उक्त कृत्य ग्राम प्रधान एवं सम्बन्धित पंचायत सचिव विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने तथा भारतीय दण्ड संहिता की सुसंगत धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराये जाने का पर्याप्त आधार पाये गये है। डीपीआरओ ने सहायक विकास अधिकारी पंचायत को तत्कालीन पंचायत सचिव राम सुन्दर गुप्ता वर्तमान तैनाती विकासखण्ड कूरेभार) और ग्राम प्रधान गोथुआजागीपुर के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की सुसंगत धाराओं में संबंधित थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराकर अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने के निर्देश दिए।

राज्य मंत्री को लेकर पत्रकारों ने दिया ज्ञापन

जौनपुर। पत्रकार राजकुमार सिंह के साथ राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव द्वारा किए गए दुर्व्यवहार व धमकी देने के कृत्य के परिप्रेक्ष्य कार्यवाही की माँग को लेकर केराकत के पत्रकार प्रदर्षन करते हुए मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी केराकत को षनिवार को सौपा। ज्ञापन में बताया गया है कि जनपद मुख्यालय पर पत्रकार वार्ता के दौरान पत्रकार राजकुमार सिंह द्वारा खेलकूद एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव से एसटीपी और शीतला माता चौकियों धाम के विकास के बाबत प्रश्न पूछा गया। जिस पर राज्य मंत्री भड़क उठे और आग बबूला हो गए। प्रश्नों से भड़के मंत्री ने पत्रकार को देख लेने व औकात में रहने, दो कौड़ी के पत्रकार और ठीक कर दूँगा जैसे मर्यादित, अभद्रतापूर्ण शब्दों से बुरी तरह सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। मंत्री का यह शर्मनाक कृत्य लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारिता व पत्रकार के लिए बेहद अपमानजनक और अक्षम्य है। आक्रोशित पक्कार जन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग किया कि मंत्री के दुर्व्यवहार और अमर्यादित बयान को संज्ञान में लेकर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें व इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो। आरिफ अंसारी, रामजनम परेल, अनुप कुमार शुक्ला , रजेश, विनीत कुमार, अवनीष वर्मा,राम दास यादव, फिरोज अंसारी, प्रवीण कुमार, अनन्त कुमार, दिलीप कुमार आदि उपतिस्थत रहे।

पासपोर्ट के रिपोर्ट के लिए चलती है रिष्वतखोरी

जौनपुर(आरएनएस)। पासपोर्ट के रिपोर्ट लगवाने के नाम पर खेल तो पूरे जनपद में चल रहा है, जिले के किसी भी थाने पर पासपोर्ट की रिपोर्ट लगवाने जाने पर मुंशी ही 15सौ से दो हजार की मांग करता है, पैसा न देने पर उसमें कुछ न कुछ त्रुटि लगाकर वापस कर देता है, इसी के डर से लोग पैसा देकर अपनी रिपोर्ट लगवाते है। इस बारे में थानाध्यक्ष से लेकर उच्चाधिकारियों तक कई बार षिकायत किया लेकिन कार्यवाही नहीं की गयी।ज्ञात हो कि मछलीशहर कोतवाली का दीवान भी पासपोर्ट के नाम पर धनउगाई कर रहा था, जिसको वाराणसी के एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ पकड़ लिया और जेल भेज दिया,। अगर उच्च अधिकारी इसकी जांच करें तो आए दिन जनपद के किसी ना किसी थाने पर कोई ना कोई मुंशी कोई ना कोई सिपाही पकड़ में आ सकता है।

शिक्षा में कौशल विकास का होना आवश्यक

जौनपुर(आरएनएस)। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में विषय–शिक्षा जगत में आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बढ़ते आयाम को लेकर शनिवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता दून विश्वविद्यालय देहरादून के प्रबंधन संकाय के डीन प्रो.एचसी पुरोहित ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नई–नई तकनीकियों के जरिए शिक्षा को एक नई दिशा दी जा रही है। शिक्षा में कौशल विकास का होना आवश्यक है। उन्होंने कई रोचक उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि कौशल युक्त शिक्षा रोजगार प्राप्ति में सहायक है. उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता के साथ साथ उद्यमिता विकास को आवश्यक बताया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एचआरडी विभाग के आचार्य प्रो अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि शिक्षा को एक नया आयाम देने के लिए हमें तकनीकी का इस्तेमाल करना चाहिए जिससे शिक्षा में एक नई क्रांति और विकास देखने को मिलेगा। प्राचार्य डॉ0 अब्दुल कादिर खान ने अतिथियों का बुके एवंम पुष्प स्वागत एवं स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम भी भेंट किया। कहा कि शिक्षा को एक लक्ष्य के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए जिससे छात्रों में एक नई ऊर्जा एवं गति का विकास होगा। कार्यक्रम का संचालन अहमद अब्बास खान ने किया। डीएलएड प्रभारी आरपी सिंह, डॉ ममता सिंह, डॉ ज्योत्स्ना सिंह, डॉ अभिषेक श्रीवास्तव, डॉ आकांक्षा श्रीवास्तव, डॉ अंकिता, श्रीवास्तव, डॉ0 आशीष श्रीवास्तव, डॉ प्रज्वलित यादव डॉ गुलाब यादव, डॉ संतोष यादव, प्रवीण यादव अन्य महाविद्यालय परिवार एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

दुष्कर्म पीड़िता के घर पहुंचा कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल

अयोध्या(आरएनएस)। अमानीगंज ब्लाक के खंडासा थाना अंतर्गत बलात्कार पीड़िता के घर शनिवार को कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा। जिसका नेतृत्व युवा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष और पीसीसी सदस्य संजय तिवारी ने किया। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने पीड़िता और उसके परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की और उन्हें न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस पार्टी की पूरी सहायता का आश्वासन दिया।प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामसागर रावत, पीसीसी सदस्य राम अवध, सभासद प्रतिनिधि संतोष कोरी, ब्लॉक अध्यक्ष तेजबली पांडेय, वरिष्ठ कांग्रेस नेता भगवान बहादुर शुक्ला, अंबरीश पांडे शामिल थे। प्रतिनिधि मंडल ने पीड़िता के परिवार को सरकार से 25 लाख आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। संजय तिवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़िता और उसके परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने सरकार से मांग की कि पीड़िता को न्याय मिले और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले।

संपादकीय

आर्थिक चक्र कमजोर

अर्थव्यवस्था इस हद तक कैपेक्स पर निर्भर क्यों है? संकट के समय में आर्थिक हालात को संभालने के लिए यह रास्ता उचित माना जाता है। लेकिन सामान्य समय में भी यही तरीका बचा रहे, तो यही माना जाएगा सामान्य आर्थिक चक्र कमजोर हो चुका है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में बड़ी गिरावट आई। उसके पहले वाली तिमाही में ये दर 7.8 प्रतिशत थी, जो अप्रैल–जून में 6.7 फीसदी रह गई। इसका कारण बताते हुए भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा– श्यह गिरावट हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप है। चुनाव और सरकारी पूंजी खर्च (कैपेक्स) में कमी आने के कारण जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट अपेक्षित थी।य लेकिन इस पर जोर देने की जरूरत है कि ऐसी अपेक्षा रहना ही आज भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी कमजोरी है। आखिर अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर इस हद तक कैपेक्स पर निर्भर क्यों है? और इस तरह सरकार कब तक आर्थिक वृद्धि की ऊंची दर बनाए रख सकेगी? सरकार जो रकम खर्च कर रही है, वह या तो किसी अन्य मद में कटौती करके या फिर ऋण लेकर जुटाया जाता है। संकट के समय में आर्थिक हालात को संभालने के लिए यह रास्ता उचित माना जाता है। लेकिन सामान्य समय में भी यही तरीका अर्थव्यवस्था की रीढ़ बना रहे, तो उसका सीधा अर्थ यह समझा जाएगा कि मांग– उपभोग– निजी निवेश– उत्पादन– बिक्री और मुनाफे का चक्र कमजोर हो चुका है।किसी भी सोच के नजरिए से यह स्वस्थ स्थिति नहीं है। वैसे खुद नागेश्वरन ने ऐसे कई आंकड़ों का जिक्र किया, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरी जाहिर होती है। मसलन, उन्होंने बताया कि 2023–24 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश गिर कर 26.6 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि 2022–23 में यह 42 बिलियन डॉलर से ज्यादा था। उधर कृषि वृद्धि दर गिर कर दो प्रतिशत रह गई, जबकि 2023–24 की पहली तिमाही में यह 3.7 फीसदी थी। इन आंकड़ों के बावजूद नागेश्वर ने यह दावा दोहराते रहे कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत हाल में है और आने वाला समय बेहतर रहेगा। यह मुश्किलों या कमजोरियों पर परदा डालने की अधिकतम कोशिश के वर्तमान सरकार के नजरिए के अनुरूप ही है। मगर इससे समस्याएं हल नहीं हो जातीं। आज इस बात पर गंभीर बहस–मुबाहिशे की जरूरत है कि निजी निवेश का चक्का क्यों रफ्तार नहीं पकड़ रहा है?

संविधान के मजाक पश्चिम बंगाल से शुरू

भारतीय प्रजातंत्र में इससे बड़ा मजाक क्या होगा कि अब राज्य सरकारें संसद के अधिकारों पर अतिक्रमण कर संविधान में संशोधन अपनी विधानसभा के माध्यम से कराये? किंतु अब हमारे संविधान के साथयह मजाक शुरू हो गया है, जिसकी शुरूआत पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने कर दी है, इस राज्य की सरकार ने भारतीय दण्ड संहिता में संशोधन का अधिकार संसद की उपेक्षा कर अपने हाथों में ले लिया तथा दुष्कर्मियों को फांसी देने वाला संविधान संशोधन (दण्ड संहिता संशोधन) वाला प्रस्ताव अपनी विधानसभा से पारित करवा लिया और अब इसे राष्ट्रऊपति की मंजूरी के लिए भेजने का फैसला लेकर पुनरू एक बार संसद के अधिकार पर अतिक्रमण की जुर्रत करने की तैयारी की जा रही है, यह भी कहा जा रहा है कि यह कानूनी संशोधन देश के सभी राज्यों पर लागू होगा, आखिर पश्चिम बंगाल सरकार यह सब हमारे संविधान की कौन सी धारा के तहत् करने जा रही है?

यह माना कि कलकत्ता में एक महिला चिकित्सक के साथ घटी घटना राष्ट्रीय शर्म का विषय है और उस पर राष्ट्रव्यापी आक्रोश व्यक्त करना भी सही है, लेकिन इसका मतलब यह तो नही कि पश्चिम बंगाल की सरकार अपनी विधानसभा में संवैधानिक दण्ड प्रक्रिया संहिता में संशोधन का प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रपति की मंजूरी को भेज दे? संवैधानिक प्रक्रिया के तहत् उसे अपनी विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर संसद तथा केन्द्र सरकार को पारित करवाने के लिए भेजना चाहिए था और उसे संसद से पारित होने तक प्रतीक्षा करनी चाहिए थी, उसके बाद संसद ही दण्ड प्रक्रिया कानून में संशोधन कराने की वैधानिक अधिकारी थी, किंतु यदि हमारी राज्य सरकारें इस तरह संसद व केन्द्र के अधिकार अपने हाथ में लेकर ऐसे प्रस्ताव पारित करेगी तो फिर हमारे संविधान का क्या महत्व रह जाएगा? और फिर हमारी प्रजातांत्रिक व्यवस्थाओं का क्या हश्र होगा?

यह एक गंभीर विचार विमर्श का विषय है, जिस पर न सिर्फ केन्द्र व राज्य सरकारों बल्कि हमारे संविधान के जानकार विद्वानों को भी गंभीर विचार करना चाहिए, हमारे संविधान व कानून को राजनीतिक हथियार बनाना और उनके माध्यम से राजनीतिक लड़ाई लडना कहां तक उचित है? क्या अब हमारे माननीय राजनेता और उनके राजनीतिक दल अपनी संवैधानिक मर्यादा भी भूल गए? जो उन्होंने संसद, विधानसभा और संविधान व कानून को राजनीतिक संघर्ष का हथियार बना लिया? हमारे राजनेताओं व उनके दलों की इस श्करनीच्य को कौन सी श्रेणी में रखा जाए? क्या हमारे व्यक्तित्व, राजनीति और उसके साथ हमारी सोच का स्तर इतना गिर गया?

यह एक गंभीर चिंतनीय विषय है, जिस पर सभी को मिल–बैठ कर गंभीर विचार–विमर्श व चिंतन करना चाहिए।

अखिलेश का हरियाणा में समर्थन, क्या कांग्रेस यूपी उपचुनाव और भविष्य में वैसा ही सहयोग दिखाएगी ?

अखिलेश यादव ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव से अपनी पार्टी के कदम पीछे खींचने की घोषणा की। यह निर्णय तब आया जब कांग्रेस ने सपा को हरियाणा में अधिक सीटें देने से इंकार कर दिया। कांग्रेस की इस स्थिति ने अखिलेश यादव को एक नई रणनीति अपनाने पर मजबूर किया।सपा प्रमुख अखिलेश यादव का हरियाणा विधानसभा चुनाव से पीछे हटना और कांग्रेस को समर्थन देने का फैसला राजनीति के खेल में एक बड़ा बदलाव लाया है। यह कदम न केवल हरियाणा की राजनीति को प्रभावित करेगा, बल्कि उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी इसके गहरे प्रभाव हो सकते हैं। अखिलेश यादव ने इस निर्णय के साथ एक महत्वपूर्ण संकेत दिया है कि सपा की प्राथमिकता बीजेपी को हराने की है, न कि अपने राजनीतिक हितों की रक्षा करना।अखिलेश यादव ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव से अपनी पार्टी के कदम पीछे खींचने की घोषणा की। यह निर्णय तब आया जब कांग्रेस ने सपा को हरियाणा में अधिक सीटें देने से इंकार कर दिया। कांग्रेस की इस स्थिति ने अखिलेश यादव को एक नई रणनीति अपनाने पर मजबूर किया। अखिलेश ने स्पष्ट किया कि सपा की प्राथमिकता बीजेपी को हराना है और इसके लिए वे हर त्याग करने को तैयार हैं। उन्होंने ट्वीट किया कि यह समय अपने राजनीतिक लाभ की सोचने का नहीं, बल्कि जनता के दुख–दर्द को समझने और बीजेपी की सियासत से उन्हें मुक्ति दिलाने का है।

सपा ने हरियाणा चुनाव के लिए 17 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बनाई थी। पार्टी की प्रदेश इकाई ने जुलाना, सोहना, बावल, बेरी, चरखी–दादरी, और बल्लभगढ़ जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अपनी नजर गड़ी थी। लेकिन जब कांग्रेस ने सपा को एक सीट से ज्यादा देने से मना कर दिया, तो अखिलेश ने इस स्थिति का सामना करते हुए हरियाणा चुनाव से अपने कदम पीछे खींचने का निर्णय लिया। इस फैसले के साथ उन्होंने कांग्रेस को पूरा समर्थन देने का ऐलान किया है, जिससे उनकी पार्टी की इस चुनावी लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की संभावना बनी है।अखिलेश यादव का यह त्याग कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती और एक मौका दोनों है। यदि कांग्रेस यूपी और महाराष्ट्र में सपा की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करती, तो इसका असर दोनों दलों के रिश्तों पर पड़ सकता है। अखिलेश का हरियाणा में दिया गया समर्थन कांग्रेस को एक ऐसा मौका प्रदान करता है जिससे वह बीजेपी के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बना सके। लेकिन इसके बदले में कांग्रेस को यह साबित करना होगा कि वह सपा की उम्मीदों पर खरी उतर सकती है।उत्तर प्रदेश में उपचुनाव की तैयारी शुरू हो चुकी है। इस बार उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि उनकी पार्टी इन उपचुनावों में 10 में से 5 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यह घोषणा कांग्रेस की महत्वाकांक्षाओं को दर्शाती है, लेकिन अखिलेश यादव का कहना है कि कांग्रेस को उपचुनाव में केवल एक या दो सीटें ही मिलेंगी। उनकी पार्टी की रणनीति मौजूदा पांच सीटों को बचाए रखने और एनडीए की पांच सीटों पर कब्जा जमाने की है।

अखिलेश यादव का यह कदम यूपी में कांग्रेस के लिए एक मुश्किल स्थिति उत्पन्न कर सकता है। कांग्रेस ने 2024 लोकसभा चुनाव में छह सीटें जीतने के बाद से उत्तर प्रदेश में अपने राजनीतिक प्रभाव को बढ़ाने की योजना बनाई है। राहुल गांधी लगातार यूपी का दौरा कर रहे हैं और कांग्रेस ने 2027 विधानसभा चुनाव के लिए 100 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने का लक्ष्य रखा है। अब देखना होगा कि क्या कांग्रेस उपचुनाव में सपा की अपेक्षाओं को पूरा कर पाएगी।महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी सपा ने 10 सीटों पर अपना दावा ठोका है। पार्टी ने मुंबई और ठाणे जैसे क्षेत्रों में मुस्लिम बहुल और उत्तर भारतीय मतदाताओं वाली सीटों पर ध्यान केंद्रित किया है। सपा ने महाराष्ट्र में अपने विधायकों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। पार्टी ने उम्मीदवारों की सूची तैयार कर ली है और अब चुनावी

मैदान में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

अखिलेश यादव ने हरियाणा में कांग्रेस को पूरा समर्थन देकर एक स्पष्ट संदेश दिया है कि सपा की प्राथमिकता बीजेपी को हराना है। अब कांग्रेस को यह तय करना होगा कि वह इस समर्थन का जवाब कैसे देती है। अगर कांग्रेस ने सपा की उम्मीदों को पूरा नहीं किया और यूपी और महाराष्ट्र में सपा की अपेक्षाओं को नजरअंदाज किया, तो इसका असर दोनों दलों के रिश्तों पर पड़ सकता है।हरियाणा में सपा द्वारा दिखाए गए त्याग के बाद, कांग्रेस पर दबाव है कि वह यूपी और महाराष्ट्र में सपा को उचित सम्मान दे। कांग्रेस को यह साबित करना होगा कि वह सपा के साथ अपने रिश्ते को मजबूत कर सकती है और बीजेपी के खिलाफ एक प्रभावी मोर्चा बना सकती है। अगर कांग्रेस ने इस मौके को सही तरीके से इस्तेमाल किया, तो यह चुनावी गठबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

सपा और कांग्रेस के बीच का यह राजनीतिक खेल न केवल हरियाणा, यूपी, और महाराष्ट्र की राजनीति को प्रभावित करेगा, बल्कि पूरे विपक्षी गठबंधन की राजनीति पर भी गहरा असर डालेगा। अखिलेश यादव ने हरियाणा में दिखाए गए त्याग के साथ एक नई राजनीतिक दिशा दी है, और अब कांग्रेस को यह साबित करना होगा कि वह इस समर्थन का सही इस्तेमाल कर सकती है। कांग्रेस और सपा के रिश्तों का भविष्य इस पर निर्भर करेगा कि वे अपने राजनीतिक लक्ष्यों को कैसे प्राप्त करते हैं और एक साथ मिलकर बीजेपी के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बना सकते हैं। इस तरह, अखिलेश यादव का हरियाणा चुनाव से पीछे हटना और कांग्रेस को समर्थन देना एक महत्वपूर्ण राजनीतिक निर्णय है जो भारतीय राजनीति के मौजूदा परिदृश्य को बदल सकता है। यह निर्णय केवल सपा और कांग्रेस की राजनीति पर ही असर डालने वाला नहीं है, बल्कि यह बीजेपी के खिलाफ विपक्षी गठबंधन की एकजुटता को भी दर्शाता है।

अमेरिका की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहता है चीन ?

श्रुति व्यास

क्या जो बाइडन अपने उत्तराधिकारी की राह आसान बनाने की कोशिश कर रहे हैं? यह हो भी सकता है। क्या चीन, अमेरिका की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहता है? यह भी हो सकता है। अमेरिका के दोस्त देशों के साथ चीन के टकराव की आशंकाएं हैं और इनमें अमेरिकी सेना के उलझने का खतरा भी है। ऐसी ही एक घटना फिलिपीन्स व चीन के बीच विवादित सबीना शेओल के निकट हुआ टकराव था, जहां चीनी तटरक्षक जहाजों ने फिलीपीनी जहाजों को टक्कर मारी और उन पर पानी की बौछारों से हमला किया। ऐसा ही एक दूसरा चिंताजनक मसला ताईवान का है।

कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन, जो पिछले चार सालों से वाशिंगटन की चीन नीति के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, तीन दिन की यात्रा पर चीन गए। वहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और वे चीन के सेन्ट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष झांग यूक्सिया से भी मिले, जो एक दुर्लभ मुलाकात थी। जैसा कि सुलिवन ने भी कहा ष्कोई अमेरिकी पिछले आठ वर्षों में ऐसा नहीं कर सका हैष्।

दोनों देशों के बीच तनाव घटाने की कोशिशों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में सुलिवन की यह पहली बीजिंग यात्रा थी। अमेरिकी अधिकारियों ने दोनों देशों के संबंधों को ष्अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मकष् बताया।

ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में हुई मुलाकात में सुलिवन और शी ने कई विषयों पर चर्चा की, जिनमें चीन और ताईवान के राजनैतिक और आर्थिक रिश्ते, रूस–यूक्रेन युद्ध और दक्षिण चीन सागर से संबंधित मसले शामिल थे।

इस बीच राष्ट्रपति शी ने उम्मीद जताई कि अमेरिका, चीन के विकास को सकारात्मक दृष्टि से देखेगा और चीन के साथ मिलकर दोनों बड़े देशों के बीच मैत्री को बढ़ावा देगा। शी ने जोर देकर यह भी कहा कि चीन और अमेरिका दो बड़े देश हैं जिनकी ऐतिहासिक दृष्टि से, दोनों देशों की जनता के प्रति, और दुनिया के प्रति भी बड़ी जिम्मेदारी है और इन्हें विश्व शांति की खातिर, दुनिया के साझा विकास की प्रेरणा और स्थिरता का आधार बनना चाहिए।

शी ने जो कहा उसमें आक्रामकता बिल्कुल भी नहीं थी और इसे आधिकारिक रूप से सार्थक एवं उपयोगी बताया गया। दोनों पक्ष इस बात के लिए भी राजी हुए कि आने वाले समय में शी तथा जो बाइडन के बीच फोन पर बातचीत करवाई जाए।

लेकिन सुलिवन की झांग यूक्सिया से मुलाकात एक बड़ी घटना थी। ऐसी पिछली मुलाकात 2018 में अमेरिका के तत्कालीन रक्षा मंत्री जैम्स मैटिस और तत्कालीन उपाध्यक्ष जनरल शू किलिंग के बीच हुई थी। सुलिवन और झांग की बैठक उनके बीजिंग प्रवास के तीसरे और अंतिम दिन हुई, जिसका उद्धेश्य दोनों देशों के बीच चल रही होड़ को काबू में रखना था। झांग चीनी राष्ट्रपति शी के नजदीकी माने जाते हैं और उन्हें रक्षा मंत्री से अधिक ताकतवर बताया जाता है।

यह बैठक दोनों ताकतों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यापार और भू–राजनीति को लेकर विवादों के बीच भी चर्चा जारी रखने का प्रयास था। इसे सैन्य मामलों पर चर्चा को धीरे–धीरे दुबारा शुरू करने की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो दो साल पहले अमेरिकी संसद की तत्कालीन स्पीकर नैन्सी पैलोसी की ताईवान यात्रा के बाद से बंद हो गयी थी।

सैन्य मामलों में अमरीका का तर्क है कि दोनों देशों की वायुसेना और नौसेना के बीच कोई गलतफहमी न हो इसके लिए और अधिक खुला संवाद जरूरी है क्योंकि दोनों देशों की सेनाएं नियमित रूप से विवादग्रस्त इलाकों जैसे ताईवान स्ट्रेट और दक्षिण चीन सागर में गश्त लगाते रहते हैं।

चीनी विदेशमंत्री वांग ने सुलिवन से यह भी कहा कि स्वतंत्र ताईवान, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने अमेरिका से मांग की कि वह ताईवान को हथियार देने की बजाए चीन से उसके शांतिपूर्ण एकीकरण का समर्थन करे। इसके जवाब में सुलिवन ने ताईवान पर लगातार डाले जा रहे आर्थिक एवं सैन्य दबाव के प्रति चीन को आगाह किया। उन्होंने रूस के सैन्य उद्योग को चीन द्वारा दी जा रही सहायता और दक्षिण चीन सागर में फिलिपीन्स से चल रहे विवाद में उसकी अस्थितरता उत्पन्न करने वाली कार्यवाहियों को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने हाल में चीनी लड़ाकू विमानों द्वारा जापानी वायुक्षेत्र का उल्लंघन किए जाने का मुद्दा भी उठाया।

यह पहले से ही अपेक्षित था कि बैठक के दौरान तीखी बातें होंगी, क्योंकि दोनों बड़ी ताकतों के बीच की प्रतिस्पर्धा में गठबंधनों को लेकर खींचातानी भी शामिल है। लेकिन जो हम सबने देखा, उसकी अहमियत कम नहीं है। हाथ मिलाना, लम्बी बैठकें, राष्ट्रपतियों की फोन पर बातचीत करवाने का निश्चय दृ इन सबसे इस यात्रा को दुनिया को इस बात का भरोसा दिलाने के एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है कि वे चीन और अमेरिका उनके बीच टकराव के खतरे को कम करने के प्रयासों में जुटे हुए हैं।

लेकिन यह भी साफ था कि रणनीतिक मामलों में उनके बीच मूलभूत मतभेद हैं। आखिरकार बड़ी ताकतें सिर्फ हाथ मिलाने और मीठी–मीठी कूटनीतिक चर्चाओं की वजह से अपने निर्णय नहीं बदलतीं। लेकिन सुलिवन की यात्रा से पद छोडने जा रहे राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए बेहतर वातावरण बना है। वे चाहेंगे कि पद छोड़ते समय दोनों बड़ी ताकतों के बीच रिश्ते कलहपूर्ण न रहें।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। इस समय लोग बेहतरीन विचारों को सुननेदृजानने के लिए बहुत उत्सुक होंगे। आज आप लोगों से जो भी बात मनवानी है, आसानी से मनवा सकते हैं।

वृष राशि–
आज का दिन आपका खुशनुमा बना रहेगा। आज आपका रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी 7 आज आप अपने मन के आधार पर फैसले लेंगे। लेकिन वे सिर्फ पैसों के मामले में लाभकारी साबित होंगे7 आज सामने आयी सभी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे तो सफलता भी हांथ लगेगी। लेकिन आपको भविष्य को बेहतर बनाने के लिए

मिथुन राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी के लिए अच्छी खबर मिल सकती है। आपको किसी कंपनी में इंटरव्यू के लिए बुलाया जा सकता है। इस राशि के उभरते हुए लेखकों के लिए आज का दिन एक बेहतरीन हो सकता है

कर्क राशि–
आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा।सिंह राशिरू आज जिस काम को पूरा करना चाहेगें वो आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी जरूरी काम के पूरा होने पर बधाईयां देने के लिए लोगों का आवागमन लगा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं जहां आप निजी समस्याओं को लेकर बातचीत करेंगे । अगर पहले किसी रिश्तेदार से अनबन हुई है तो आज रिश्तों में सुधार लाने के लिए दिन अच्छा है।

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहें है वो आज किसी मदद से पूरा हो जाएगा। आज किसी दूसरे के काम में राय देने से बचें और साथ ही आज दूसरों से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें। इस राशि के जो लोग सोशल नेटवर्किंग से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन बढिया है।

तुला राशि–
आज आपका दिन खुशनुमा बना रहेगा। आज आप किसी काम को करते समय अपने मन को शांत रखें, तो आपका काम आसानी से सफल होगा। अगर आप जल्दी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं आज उनके लिए रिश्तें आ सकते हैं। परिवार वालें आपके विवाह की प्लानिंग करेंगे। जो लोग सेवा क्षेत्र से जुड़े हैं,

वृश्चिक राशि–
आज का दिन आपके लिए बहुत बढिया है। जिन चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे हैं, आज पूरे होने वाली हैं 7 जिन कोशिशों को आप अपनी ओर से व्यर्थ मान चुके थे, वे आज सफल होंगी7 इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं,

धनु राशि–
आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज आपके मन में नए विचार आयेंगे, हो सकता है किसी नए बिजनेस की शुरुआत करें, जिससे भविष्य में आपको फायदा होगा। आज परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभाएंगे।

मकर राशि
आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आज का दिन यात्रा में बितेगा। ये यात्रा में ऑफिस के काम से रिलेटेड हो सकती है। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा।

कुंभ राशि–
आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान आध्यात्म की तरफ रहेगा मंदिर जाने या किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आज आनंद की प्राप्ति के लिए आपको अपने स्वभाव में थोड़ा परिवर्तन लाने की जरूरत है। निश्चित ही घर में खुशियों का आगमन होगा ।

मीन राशि–
आज आपकी किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से काम करेंगे। आप अपने माता–पिता या बहन भाइयों के साथ भी समय बिता सकते हैं। ऑफिस में कोई नया काम करने का मौका मिल सकता है। आज दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है।

चीन को छोड़ भारत का हाथ थाम रहे मुइज्जू? भारत–मालदीव ने सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

रक्षा मंत्रालय ने वार्ता पर एक आधिकारिक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने उच्च स्तरीय आदान–प्रदान और क्षमता विकास परियोजनाओं जैसे सामान्य हित के कुछ अन्य क्षेत्रों पर भी विचार–विमर्श किया। आगामी द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास में भागीदारी के पहलुओं पर भी चर्चा की गई। वार्ता की पूरी श्रृंखला सार्थक रही जो निकट भविष्य में दोनों देशों के साझा हितों को आगे बढ़ाएगी और हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि लाएगी।राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से भारत और मालदीव के बीच संबंधों में तनाव के बीच दोनों देशों नेपांचवें रक्षा सहयोग संवाद में हिस्सा लिया। दोनों देशों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और कार्यान्वयन में तेजी लाने से संबंधित मामलों पर चर्चा की। भारत और मालदीव के बीच संबंध तब से गंभीर तनाव में आ गए, जब चीन समर्थक झुकाव के लिए जाने जाने वाले मुइजू ने नवंबर 2023 में शीर्ष कार्यालय का कार्यभार संभाला। अपनी शपथ के कुछ घंटों के भीतर, उन्होंने तीन विमानन में तैनात भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी की मांग की थी। मालदीव में प्लेटफार्म। भारतीय सैनिकों की वापसी 10 मई तक पूरी हो गई और उनकी जगह श्सक्षम भारतीय नागरिक कर्मियोंश को ले लिया गया। डोर्नियर विमान और हेलीकॉप्टर पहले भारतीय सैन्य कर्मियों द्वारा संचालित किए जाते थे और पिछले नवंबर में राष्ट्रपति मुइज्जू के शपथ लेने के तुरंत बाद इन्हें बंद कर दिया गया था।रक्षा मंत्रालय ने वार्ता पर एक आधिकारिक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने उच्च स्तरीय आदान–प्रदान और क्षमता विकास परियोजनाओं जैसे सामान्य हित के कुछ अन्य क्षेत्रों पर भी विचार–विमर्श किया। आगामी द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास में भागीदारी के पहलुओं पर भी चर्चा की गई। वार्ता की पूरी श्रृंखला सार्थक रही जो निकट भविष्य में दोनों देशों के साझा हितों को आगे बढ़ाएगी और हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि लाएगी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वार्ता शुक्रवार को नई दिल्ली में हुई और भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा सचिव गिरिधर अरामाने ने किया, जबकि मालदीव के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल में रक्षा बल के प्रमुख जनरल इब्राहिम हिल्मी ने किया। आखिरी रक्षा वार्ता पिछले साल मार्च में हुई थी जब भारत के साथ संबंधों को बढ़ावा देने वाले पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह सत्ता में थे।

कमला हैरिस भारत–अमेरिका संबंधों के लिए फिट नहीं, ट्रंप को मिला हिंदू संगठनों का समर्थन

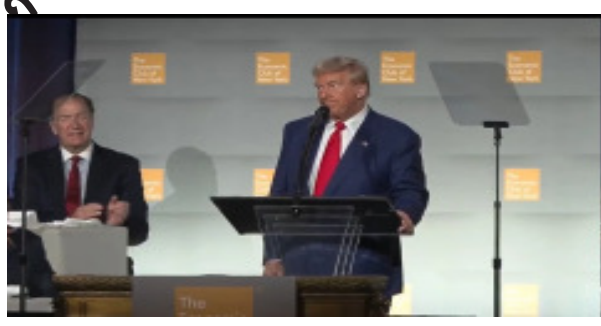

चिंता की बात यह है कि यदि कमला संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रपति बन जाती हैं, तो वह कुछ लिबरल को पीठ पर बिठा सकती हैं, जो वास्तव में एशियाई–अमेरिकी मतदाताओं को प्रभावित करने वाले इस (और) मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट को पलट सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाइडन–हैरिस प्रशासन ने सीमा को सुरक्षित नहीं रखा। हैरिस राष्ट्रपति जो बाइडन के बाद दूसरे नंबर की ताकतवर नेता हैं लेकिन उन्होंने अमेरिका में अवैध प्रवासियों को आने से रोकने के लिए कुछ नहीं किया। हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट ने घोषणा की है कि वह रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन करेगा और पेंसिल्वेनिया, जॉर्जिया और उत्तरी कैरोलिना के प्रमुख युद्ध के मैदानों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। निर्णय की घोषणा करते हुए, हिंदू फॉर अमेरिका फर्स्ट के अध्यक्ष और संस्थापक उत्सव संदुजा ने दावा किया कि हैरिस भारत–अमेरिका संबंधों के लिए ठीक नहीं होंगी। चिंता की बात यह है कि यदि कमला संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रपति बन जाती हैं, तो वह कुछ लिबरल को पीठ पर बिठा सकती हैं, जो वास्तव में एशियाई–अमेरिकी मतदाताओं को प्रभावित करने वाले इस (और) मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट को पलट सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाइडन–हैरिस प्रशासन ने सीमा को सुरक्षित नहीं रखा। हैरिस राष्ट्रपति जो बाइडन के बाद दूसरे नंबर की ताकतवर नेता हैं लेकिन उन्होंने अमेरिका में अवैध प्रवासियों को आने से रोकने के लिए कुछ नहीं किया। ट्रंप भारत के समर्थक हैं। उनके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बेहतरीन संबंध हैं और उन्होंने कई रक्षा परियोजनाओं पर सहयोग किया, जिससे भारत को चीन का सामना करने में मदद मिलेगी। संदुजा ने कहा कि इसके उलट 'कमला हैरिस ने भारत सरकार और भारतीय लोगों के बारे में कई अपमानजनक टिप्पणियां कीं जबकि ट्रंप ने देश के आंतरिक मामलों में कभी हस्तक्षेप नहीं किया।

तैयार, कीर स्टार्मर का इंतजार, सुनक को हराने वाले की जो बाइडेन 13 सितंबर को करेंगे मेजबानी

स्टॉर्मर शुक्रवार को ऐसे समय में अमेरिका की यात्रा करेंगे, जब बाइडन अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी सक्रियता बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने एक बयान में कहा कि ओवल ऑफिस (राष्ट्रपति कार्यालय) में होने वाली यह बैठक यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन को जारी रखने पर केंद्रित होगी, क्योंकि वह रूस के आक्रमण को रोकने की कोशिश कर रहा है।अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को अब कुछ ही महीने शेष रह गए हैं। राष्ट्रपति चुनाव से बैकआउट करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की मेजबानी करने वाले हैं। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 13 सितंबर को ब्रिटिश प्रधान मंत्री कीर स्टार्मर की मेजबानी करेंगे। दोनों नेता आपसी हित के कई वैश्विक मुद्दों पर गहन चर्चा करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दोनों नेता रूसी आक्रामकता के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा में मजबूत समर्थन जारी रखना, गाजा में युद्ध को समाप्त करने के लिए बंधकों की रिहाई और युद्धविराम समझौते को सुनिश्चित करना, अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग की रक्षा करना, लाल सागर में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों से और एक स्वतंत्र और खुले इंडो–पैसिफिक को आगे बढ़ाना शामिल है। स्टॉर्मर शुक्रवार को ऐसे समय में अमेरिका की यात्रा करेंगे, जब बाइडन अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी सक्रियता बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने एक बयान में कहा कि ओवल ऑफिस (राष्ट्रपति कार्यालय) में होने वाली यह बैठक यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन को जारी रखने पर केंद्रित होगी, क्योंकि वह रूस के आक्रमण को रोकने की कोशिश कर रहा है। जीन–पियरे के मुताबिक, बैठक में इजराइल और हमास के बीच एक बंधक समझौता और संघर्ष–विराम कराने, लाग सागर में वाणिज्यिक जहाजों को ईरान समर्थित हूती लड़ाकों के हमलों से बचाने तथा हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा चिंताओं के मुद्दे पर भी चर्चा होगी। स्टॉर्मर ने इससे पहले जुलाई में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए वाशिंगटन की यात्रा की थी। इस दौरान, उनकी बाइडन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी हुई थी।

पुतिन के दोस्त मोदी के लिए रूस की मैगजीन ने ये क्या लिख दिया, पश्चिमी दबाव के आगे...

बताया गया है कि इस मल्टीपोरल और मल्टीलैटरल दुनिया में उन्होंने पश्चिमी दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया। इसी वजह से इस मैगजीन ने अपने कवर पेज पर जगह दी है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच कई समानताएं बताई गई हैं। रूसी मैगजीन कॉम्पेनिया के कवर पर पीएम मोदी की तस्वीर नजर आई। व्लादीवोस्तक में आयोजित ईस्टर्म इकोनॉमिक फोरम में इसकी खूब चर्चा हुई। इस मैगजीन में पीएम मोदी की जीवनयात्रा को दर्शाते हुए एक एक पूरी मैगजीन की एडिशन उनके नाम कर दी। जिसमें बताया गया कि कैसे नरेंद्र मोदी ने गुजरात से अपना सफर शुरू किया और फिर वो देश के प्रधानमंत्री बन गए। इसमें पीएम मोदी का अनूठा मार्ग और राष्ट्रवाद व प्रगति शीर्षक वाले लेख में पश्चिमी दबाव के आगे झुकने से इनकार करने के लिए भारतीय नेता की खूब तारीफ की गई है। इस लेख में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुजराती टाइगर और रूस का मित्र बताया गया है। इसमें पीएम मोदी की खूब तारीफ की गई है। बताया गया है कि इस मल्टीपोरल और मल्टीलैटरल दुनिया में उन्होंने पश्चिमी दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया। इसी वजह से इस मैगजीन ने अपने कवर पेज पर जगह दी है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच कई समानताएं बताई गई हैं। बताया गया है कि दोनों ही अपने देशों को मूल सभ्यताएं कहते हैं। जिन्हें विकास के लिए एक विशेष मार्ग का अधिकार है। दोनों ही पश्चिम की आलोचना कर एक बहुध्रुविय दुनिया की वकालत करते हैं। साथ ही वैश्विकरण के संरक्षण का समर्थन करते हैं। दोनों ही राजनेता दक्षिणपंथी उदारवादी रूढिवादी हैं जो बाजार क्षमता के साधनों का उपयोग करके अपने लोगों को पारंपरिक मूल्यों की ओर मोड़ते हैं। लेख में ये भी कहा गया कि मोदी पुतिन की तरह की वाशिंगटन के विरोधियों चाहे वो ईरान हो या म्यांमार के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने से नहीं डरते। इसके अलावा दोनों ही नेताओं के बीच साझा किए गए बेहतरीन तालमेल पर प्रकाश डाला गया है। लेख में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि मोदी ने साल 2014 से छह बार रूस का दौरा किया है। इसी दौरान उनकी पुतिन से 22 बार बात किया गया है। लेख में मोदी की मास्को यात्रा को पुतिन के लिए पूर्ण और बिना शर्त कूटनीतिक जीत बताया गया है, क्योंकि यह नाटो सहयोगियों के मुंह पर तमाचा था, जो रूस को अलग–थलग करने में सफल होने का दावा करते हैं। कवर स्टोरी ने रूस–भारत रक्षा साझेदारी की निरन्तर मजबूती के बारे में आशा व्यक्त की गई है तथा कहा गया है कि ब्रह्मोस मिसाइल के संयुक्त विकास के साथ जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं, उससे भारत काफी खुश है। लेख में कहा गया है कि रूस के सैन्य–औद्योगिक परिसर से जुड़े विदेशी बैंकों के खिलाफ अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिबंधों के खतरे के बावजूद, नई दिल्ली और मास्को के बीच रक्षा सहयोग आने वाले वर्षों में बढ़ता रहेगा।

स्कूल, मकान, सब स्वाहा, गाजा में भीषण तबाही, इजरायल ने बदल दिया पूरा नक्शा

इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उसने उन आतंकवादियों पर सटीक हमला किया था जो एक परिसर के अंदर बने हमास कमांड और कंट्रोल सेंटर के अंदर काम कर रहे थे, जो पहले उत्तरी गाजा पट्टी में श्हलीमा अल–सादियाश स्कूल के रूप में काम करता था।फिलिस्तीनी प्राधिकरण की आधिकारिक समाचार एजेंसी ।थ। ने शनिवार तड़के रिपोर्ट दी कि गाजा में शरणार्थियों को शरण देने वाले एक स्कूल और एक आवासीय इमारत पर इजरायली हमलों में कम से कम 13 फिलिस्तीनी मारे गए और 15 घायल हो गए। डब्ल्यूएएफए ने कहा कि मृतकों में से कम से कम आठ उत्तरी गाजा के जबालिया में हलीमा अल–सादिया स्कूल में शरणार्थी तंबू में थे। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उसने उन आतंकवादियों पर सटीक हमला किया था जो एक परिसर के अंदर बने हमास कमांड और कंट्रोल सेंटर के अंदर काम कर रहे थे, जो पहले उत्तरी गाजा पट्टी में श्हलीमा अल–सादियाश स्कूल के रूप में काम करता था। एक अलग घटना में मध्य गाजा में नुसीरात शिविर में एक आवासीय इमारत पर इजरायली हमले में पांच फिलिस्तीनी मारे गए। दशकों पुराने इजरायल–फिलिस्तीनी संघर्ष में नवीनतम रक्तपात पिछले साल 7 अक्टूबर को शुरू हुआ था जब इजरायली आंकड़ों के अनुसार, हमास के नेतृत्व वाले आतंकवादियों ने इजरायल में हमला किया था, जिसमें 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 250 बंधकों को ले लिया था। स्थानीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमास–शासित क्षेत्र पर इजरायल के बाद के हमले में 40,800 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जबकि 2.3 मिलियन की लगभग पूरी आबादी विस्थापित हो गई, जिससे भूख का संकट पैदा हो गया और विश्व न्यायालय में नरसंहार के आरोप लगे, जिससे इजरायल इनकार करता है। फलस्तीन के पश्चिमी तट पर बस्ती बसाने के खिलाफ शुक्रवार को आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल एक अमेरिकी महिला को इजराइली सैनिकों ने गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को यह जानकारी दी। वहीं, दो चिकित्सकों ने बताया कि महिला के सिर में गोली मारी गई। अमेरिक के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने तुर्किये में जन्मीं 26 वर्षीय महिला आयसेनुर एजगी ईगी की मौत की पुष्टि की। उन्होंने यह नहीं बताया कि उसे इजराइली सैनिकों ने गोली मारी या नहीं। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि वह एक अमेरिकी नागरिक की हत्या से 'बहुत परेशान' है।

बोइंग का 'स्टारलाइनर' यान बिना अंतरिक्ष यात्रियों के धरती पर लौटा, न्यू मैक्सिको के रेगिस्तान में उतरा

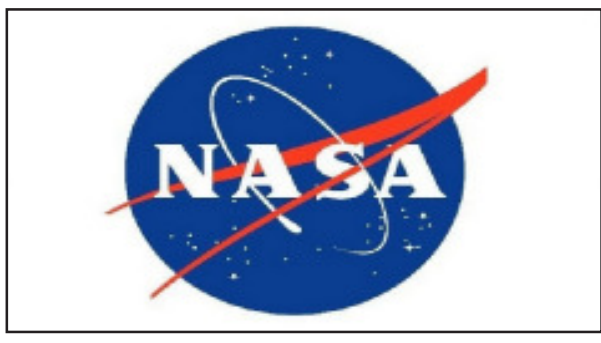

बोइंग का संकटग्रस्त स्टारलाइनर अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बैरी ई. विल्मोर के बिना ही अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से पृथ्वी पर लौट आया। गमड्रॉप के आकार का कैप्सूल लगभग 0401 ळडज (सुबह 9रू30 बजे) पर न्यू मैक्सिको के व्हाइट सैंड्स स्पेस हार्बर पर उतरा। पैराशूट के कारण इसकी गति धीमी हो गई और एयरबैग की सहायता से इसे नीचे उतारा गया, क्योंकि यह लगभग छह घंटे पहले ही आई.एस.एस. से रवाना हुआ था।वर्षों के विलंब के बाद, स्टारलाइनर को जून में प्रक्षेपित किया गया, जो लगभग एक सप्ताह का परीक्षण मिशन था – चालक दल को कक्षीय प्रयोगशाला में लाने–ले जाने के लिए अंततः प्रमाणित होने से पहले एक अंतिम परीक्षण। लेकिन थ्रस्टर में अप्रत्याशित खराबी और हीलियम रिसाव के कारण ये योजनाएं पटरी से उतर गईं और नासा ने अंततः निर्णय लिया कि अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को प्रतिद्वंद्वी स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन पर वापस लाना अधिक सुरक्षित होगा – हालांकि उन्हें फरवरी 2025 तक इंतजार करना होगा।

बाइडन अगले सप्ताह व्हाइट हाउस में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ बैठक करेंगे

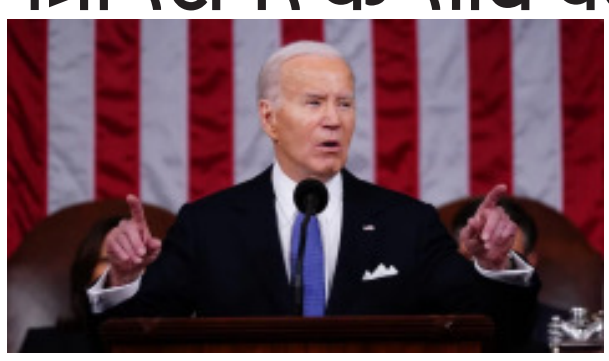

स्टॉर्मर ने इससे पहले जुलाई में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए वाशिंगटन की यात्रा की थी। इस दौरान, उनकी बाइडन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी हुई थी।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अगले सप्ताह वाशिंगटन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केयर स्टॉर्मर के साथ बैठक करेंगे, जिसमें यूक्रेन और गाजा में युद्ध के अलावा कई अन्य मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

स्टॉर्मर शुक्रवार को ऐसे समय में अमेरिका की यात्रा करेंगे, जब बाइडन अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी सक्रियता बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हैं। हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने एक बयान में कहा कि ओवल ऑफिस (राष्ट्रपति कार्यालय) में होने वाली यह बैठक यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन को जारी रखने पर केंद्रित होगी, क्योंकि वह रूस के आक्रमण को रोकने की कोशिश कर रहा है।जीन–पियरे के मुताबिक, बैठक में इजराइल और हमास के बीच एक बंधक समझौता और संघर्ष–विराम कराने, लाग सागर में वाणिज्यिक जहाजों को ईरान समर्थित हूती लड़ाकों के हमलों से बचाने तथा हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा चिंताओं के मुद्दे पर भी चर्चा होगी।स्टॉर्मर ने इससे पहले जुलाई में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए वाशिंगटन की यात्रा की थी। इस दौरान, उनकी बाइडन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी हुई थी।

चीन के हैनान में चक्रवात से दो लोगों की मौत, 92 घायल

अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात से भारी बारिश और हवाओं के कारण 8,00,000 से अधिक घरों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। चक्रवात 'यागी' शनिवार को टोंकिन की खाड़ी के ऊपर से उत्तरी वियतनाम की ओर बढ़ रहा है।चीन के हैनान प्रांत में शक्तिशाली चक्रवात 'यागी' की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 92 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात से भारी बारिश और हवाओं के कारण 8,00,000 से अधिक घरों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। चक्रवात 'यागी' शनिवार को टोंकिन की खाड़ी के ऊपर से उत्तरी वियतनाम की ओर बढ़ रहा है।वियतनामी अधिकारियों ने 'यागी' को ''पिछले एक दशक में क्षेत्र में आए सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक'' बताया है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों ने कहा कि चक्रवात 'यागी' चीन में शरदकाल में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान है।

सिंगापुर से ग्वांगझाऊ जा रहे विमान में खराबी के कारण सात लोग घायल

शुक्रवार सुबह जब विमान ग्वांगझाऊ के पास पहुंचा, तो उसमें कुछ कंपनी खराबी आ गई। कंपनी ने कहा कि बोइंग 787–9 ड्रीमलाइनर विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 9.10 बजेअपने गंतव्य परउतरा।सिंगापुर से चीन के ग्वांगझाऊ शहर जा रहा एक विमान तकनीकी खराबी के कारण बीच हवा में लहराने लगा, जिससे उसमें सवार सात लोग घायल हो गए। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की खबर के अनुसार, घायलों में से एक को अस्पताल ले जाया गया है। विमानन कंपनी स्कूट ने कहा कि शुक्रवार सुबह जब विमान ग्वांगझाऊ के पास पहुंचा, तो उसमें कुछ कंपनी खराबी आ गई। कंपनी ने कहा कि बोइंग 787–9 ड्रीमलाइनर विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 9.10 बजेअपने गंतव्य परउतरा। इसने तड़के लगभग 5.45 बजे सिंगापुर से उड़ान भरी थी। स्कूट ने कहा, ग्वांगझाऊ पहुंचने पर चार यात्रियों और चालक दल के तीन सदस्यों को चोट लगने की बात सामने आई, जिनमें से एक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया।

पाकिस्तान के इस पूर्व खिलाड़ी ने टीम के खराब प्रदर्शन के बाद दिया सुझाव, गौतम गंभीर से सीखने की अपील

पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के 565 रन के सामने खास अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। पाकिस्तान की टीम दूसरी पारी में मात्र 146 रन बना सकी। पाकिस्तान की टीम को बांग्लादेश से 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। क्रिकेट की दुनिया में पाकिस्तान की टीम ने हाल ही में बांग्लादेश से मात खाई है। पाकिस्तान का हाल में जो प्रदर्शन देखने को मिला है वो काफी निराशाजनक रहा है। क्रिकेट के खेल में पाकिस्तान की टीम के प्रदर्शन में गिरावट देखने को मिली है। अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई सीरीज में पाकिस्तान की टीम को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। वहीं बीते दो आईसीसी टूर्नामेंट्स के दौरान भी टीम खास प्रदर्शन नहीं कर सकी है। पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के 565 रन के सामने खास अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। पाकिस्तान की टीम दूसरी पारी में मात्र 146 रन बना सकी। पाकिस्तान की टीम को बांग्लादेश से 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद अगले टेस्ट मैच में भी पाकिस्तान की टीम की समस्याएं कम नहीं हुई। पाकिस्तान की टीम का प्रदर्शन और अधिक नीचे गिर गया। वापसी की संभावनाओं के बीच टीम को दूसरे टेस्ट मैच में भी छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। बार बार असफलताओं का स्वाद चख रही पाकिस्तान की टीम खराब बल्लेबाजी के साथ खराब गेंदबाजी से जूझ रही है। पाकिस्तान की टीम की परफॉर्मेंस के कारण कई सवाल भी खड़े हुए है। टीम की खामियों को देखते हुए कहा जा रहा है कि टीम को अपनी कमियों पर समीक्षा और आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। ऐसे में आने वाले टूर्नामेंट्स के लिए टीम का खेल सुधर सकेगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के खराब प्रबंधन और टीम के भीतर कथित आंतरिक संघर्षों के कारण वे अपने समर्थकों को निराश करते रहे हैं।इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी दानिश कनेरिया ने भी बड़ा बायन दिया है। टीम की मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए गौतम गंभीर जैसे मजबूत कोच की आवश्यकता पर जोर देते हुए दानिश कनेरिया ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम में कोचिंग के प्रति स्पष्ट और सशक्त रवैये की मांग की है। जिम्मेदारी और प्रदर्शन में नेतृत्व की आवश्यकता पर जोर देते हुए दानिश कनेरिया ने रिपब्लिक को एक बयान दिया है। उन्होंने रिपब्लिक को कहा कि कप्तान का अनुसरण करने और निरंतर बदलाव से बचने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ जैसे महान उदाहरणों का हवाला देते हुए उन्होंने अच्छे नेतृत्व और निर्णय की आवश्यकता पर बल दिया। कनेरिया ने गंभीर की सीधी और खुली शैली की प्रशंसा की, उन्होंने कोचिंग और नेतृत्व के पदों पर शक्ति और निर्णायकता की आवश्यकता पर जोर दिया। इस मामले पर दानिश कनेरिया ने रिपब्लिक चौनल से कहा, ष्सब कुछ निश्चित मान लिया गया है। यही कारण है कि पाकिस्तान क्रिकेट का पतन हुआ है। कप्तानों को बदलने से काम नहीं चलेगा, अपने कप्तान के साथ बने रहना ठीक नहीं है। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद बांग्लादेश के खिलाफ अपनी टीम को जीत दिलाने में असफल रहे। खबर है कि पाकिस्तान के ड्रेसिंग रूम के अंदर कई बार झड़पें हुई हैं। हालाँकि, पाकिस्तान 2025 में आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करना चाहेगा, लेकिन यह अभी तक तय नहीं है कि भारतीय क्रिकेट टीम अपने चिर–प्रतिद्वंद्वी के दौरे पर जाएगी या नहीं।

वो कोयला ही है... अर्जुन तेंदुलकर के भविष्य के बारे में ये क्या बोल गए युवराज सिंह के पिता योगराज

योगराज सिंह अक्सर अपने अटपटे बयानों के कारण चर्चा में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने कपिल देव और एमएस धोनी को लेकर टिप्पणी की थी। वहीं अब वो सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को लेकर अपने बयान से फिर से चर्चा में आ गए हैं। दरअसल, जी स्विच यूट्यूब चौनल पर योगराज सिंह ने अर्जुन तेंदुलकर को कोयला कह डाला।युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह अक्सर अपने अटपटे बयानों के कारण चर्चा में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने कपिल देव और एमएस धोनी को लेकर टिप्पणी की थी। वहीं अब वो सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को लेकर अपने बयान से फिर से चर्चा में आ गए हैं। दरअसल, जी स्विच यूट्यूब चौनल पर योगराज सिंह ने अर्जुन तेंदुलकर को कोयला कह डाला। बता दें कि, योगराज सिंह ने एमएस धोनी को लेकर कहा था कि, वो कभी भी धोनी को माफ नहीं करेंगे क्योंकि उनके कारण उनके बेटे युवराज का करियर खत्म हुआ है। युवराज सिंह को सफल क्रिकेटर बनाने में योगराज सिंह का अहम रोल रहा है। शुरुआत में योगराज सिंह ने ही युवी को ट्रेनिंग दी थी। जबकि सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने भी उनसे कुछ समय पहले ट्रेनिंग ली थी। जी स्विच पर बात करते हुए योगराज सिंह से अर्जुन तेंदुलकर के बारे में सवाल किया गया तो और अर्जुन के भविष्य को लेकर भी कहा गया कि वो आपके पास ट्रेनिंग के लिए आए थे और आप उनके भविष्य को किस तरह देखते हैं।

जिस पर योगराज सिंह ने कहा कि क्या आपने कोयले की खदान में हीरा देखा है। वो (अर्जुन) कोयला ही है... निकालो तो पत्थर ही है। किसी तराशगीर के हाथ में डालो तो चमक के दुनिया का कोहिनूर बना जाता है। योगराज के कहने का मतलब ये था कि कोयला है जो खदान से निकालने पर पत्थर है, लेकिन अगर इसे सही हाथों में दिया जाए, तो ये कोहिनूर बन जाता है। ये अमूल्य है, लेकिन अगर वही हीरा किसी ऐसे व्यक्ति के पास पहुंच जाए, जो इसका मूल्य नहीं जानता तो वह इसे नष्ट कर देता है। मैं ये नहीं कहता हूं कि योगराज सिंह एक महान कारीगर है। युवराज सिंह कहते हैं कि मेरे पिताजी के हाथ में जादू है, उन्होंने मुझे वह बनाया जो मैं हूं। पहले मुझे गाली दी थी, हिटलर, ड्रैगन सिंह, मैं अपने पिता से नफरत करता हूं। मेरे घर में हर कोई मुझसे नफरत करता था। मेरे रिश्तेदारों ने कहा कि मुझे पिता नहीं बनना चाहिए था, लेकिन वह अपने रास्ते पर चले और भगवान की कृपा से आपको युवराज सिंह मिले।

नीतीश रेड्डी को ट्रोल करना पाकिस्तानी फैन को पड़ा महंगा, आर अश्विन ने लिया आड़े हाथों

आर अश्विन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। क्रिकेट के मैदान से भले ही अश्विन दूर चल रहे हों, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए वो फैंस से क्रिकेट से जुड़े हुए हैं। दलीप ट्रॉफी 2024 का आगाज 5 सितंबर को हुआ और अश्विन इस दौरान यंग टैलेंट पर नजर गड़ाए हुए हैं। टीम इंडिया के स्टार स्पिनर आर अश्विन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। क्रिकेट के मैदान से भले ही अश्विन दूर चल रहे हों, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए वो फैंस से क्रिकेट से जुड़े हुए हैं। दलीप ट्रॉफी 2024 का आगाज 5 सितंबर को हुआ और अश्विन इस दौरान यंग टैलेंट पर नजर गड़ाए हुए हैं। मैच के दूसरे दिन आर अश्विन ने बाबा इंद्रजीत की पारी की खूब तारीफ की और इसके बाद उन्होंने इंडिया बी की ओर से खेल रहे नीतीश रेड्डी के बॉलिंग एक्शन की तारीफ में एक्स पर एक पोस्ट किया। और जानें नीतीश कुमार रेड्डी की बॉलिंग की एक छोटी सी क्लिप शेयर करते हुए अश्वि ने लिखा कि, ये एनकेआर बहुत सही लगता है। पहले तो कुछ फैंस इस गुत्थी में उल गए कि एनकेआर कौन है?

पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज को लेकर कन्फ्यूज हैं इंग्लैंड कोच ब्रेंडन मैकुलम, जानें क्या कहा ?

अगले महीने से इंग्लैंड टीम को पाकिस्तान दौरे पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। ये सीरीज 7 से 28 अक्टूबर तक आयोजित होनी है। पहला टेस्ट मुल्तान, दूसरा कराची और तीसरा रावलपिंडी में निर्धारित हैं। हालांकि, इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम पाकिस्तान सीरीज को लेकर असमंजस में हैं।इंग्लैंड टीम को अगले महीने से पाकिस्तान दौरे पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। ये सीरीज

7 से 28 अक्टूबर तक आयोजित होनी है। पहला टेस्ट मुल्तान, दूसरा कराची और तीसरा रावलपिंडी में निर्धारित हैं। हालांकि, इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम पाकिस्तान सीरीज को लेकर असमंजस में हैं। मैकुलम को नहीं पता है कि इंग्लैंड टीम ये तीन टेस्ट पाकिस्तान में खेलेगी या किसी दूसरे देश में।हाल ही में पाकिस्तान बांग्लादेशश टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद रिपोर्ट्स सामने आईं कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज को कहीं और आयोजन करने पर विचार कर रहा है। बताया गया कि स्टेडियमों में कंस्ट्रक्शन वर्क को देखते हुए सीरीज को संयुक्त यूएई, श्रीलंका या किसी और देश में शिफ्ट कर सकता है। बता दें कि, आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के मद्देनजर पाकिस्तान में इस वक्त कई स्टेडियमों को अपग्रेड किया जा रहा है। चौंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है, जिसका आयोजन अगले साल फरवरी और मार्च में होना है। मैकुलम से जब प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिपोर्ट्स का हवाला देकर पाकिस्तान दौरे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने हा कि जल्द ही क्लियरिटी मिल जाए तो बेहतर होगा।

बीसीसीआई एजीएम 29 सितंबर को सचिव का चुनाव नहीं, नए एनसीए का होगा उद्घाटन

बीसीसीआई की 93वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) यहां 29 सितंबर को होगी लेकिन इस बैठक में बोर्ड के नए सचिव का चुनाव होने की संभावना नहीं है। हालांकि एजीएम शहर के बाहरी इलाके में अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के उद्घाटन के दौरान ही होगी क्योंकि बोर्ड के सभी सदस्य शहर में मौजूद रहेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की 93वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) यहां 29 सितंबर को होगी लेकिन इस बैठक में बोर्ड के नए सचिव का चुनाव होने की संभावना नहीं है। हालांकि एजीएम शहर के बाहरी इलाके में अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के उद्घाटन के दौरान ही होगी क्योंकि बोर्ड के सभी सदस्य शहर में मौजूद रहेंगे।दो दशक से अधिक समय पहले अस्तित्व में आने के बाद से एनसीए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम परिसर से संचालित हो रहा है। एजीएम में बीसीसीआई के नए सचिव का चुनाव नहीं होगा लेकिन इस बैठक में चुनाव के लिए विशेष आम बैठक (एसजीएम) की तारीख तय की जा सकती है। निवर्तमान सचिव जय शाह के सर्वसम्मति से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का चेयरमैन चुने जाने के बाद नए सचिव की नियुक्ति अनिवार्य हो गई है।

शाह हालांकि एमजीएम में बीसीसीआई सचिव की अपनी मौजूदगी भूमिका नहीं छोड़ेंगे क्योंकि उन्हें आईसीसी चेयरमैन का प्रभार एक दिसंबर से संभालना है। सभी राज्य संघों को भेजे गए बैठक के 18 सूत्री एजेंडे में अन्य महत्वपूर्ण बिंदु आईसीसी बैठकों में बीसीसीआई के प्रतिनिधि की नियुक्ति है क्योंकि शाह अब उस भूमिका के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।आईसीसी में बोर्ड के प्रतिनिधि के लिए बीसीसीआई के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी के नाम पर चर्चा हो सकती है या यह पद नए सचिव को मिल सकता है। लेकिन 69 वर्षीय बिन्नी के लिए उम्र उनके पक्ष में नहीं है क्योंकि प्रशासन में शामिल होने के लिए अधिकतम उम्र 70 वर्ष है। इन दो महत्वपूर्ण मामलों के अलावा एजीएम में आईपीएल

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज वुड कोहनी की चोट के कारण पाकिस्तान और न्यूजीलैंड श्रृंखला से बाहर

इंग्लैंड के सबसे तेज गेंदबाज वुड ने जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान अपनी कोहनी में दर्द महसूस किया था जिससे उन्हें गेंदबाजी करने में परेशानी हो रही थी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड दाहिनी कोहनी की चोट के कारण इस साल होने वाले बाकी मैचों में नहीं खेल पाएंगे। इस तरह से वह अक्टूबर में पाकिस्तान और दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।इंग्लैंड के सबसे तेज गेंदबाज वुड ने जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान अपनी कोहनी में दर्द महसूस किया था जिससे उन्हें गेंदबाजी करने में परेशानी हो रही थी। इस दर्द के बावजूद वहश्रीलंका के खिलाफ मैनचेस्टर में पहले टेस्ट मैच में खेले थे। इस मैच में उनकी दाहिनी जांघ में भी चोट लग गई थी और इस कारण वह श्रीलंका के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे।इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि वुड का लक्ष्य अगले साल के शुरू तक पूरी फिटनेस हासिल करना है। तब इंग्लैंड की टीम को सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलने के लिए भारत का दौरा करना है जबकि फरवरी में पाकिस्तान में चौंपियंस ट्राफी खेली जाएगी।

कानों के लिए कितना खतरनाक है ईयरबड्स, सुनने के अलावा इन खतरों को देता है दस्तक

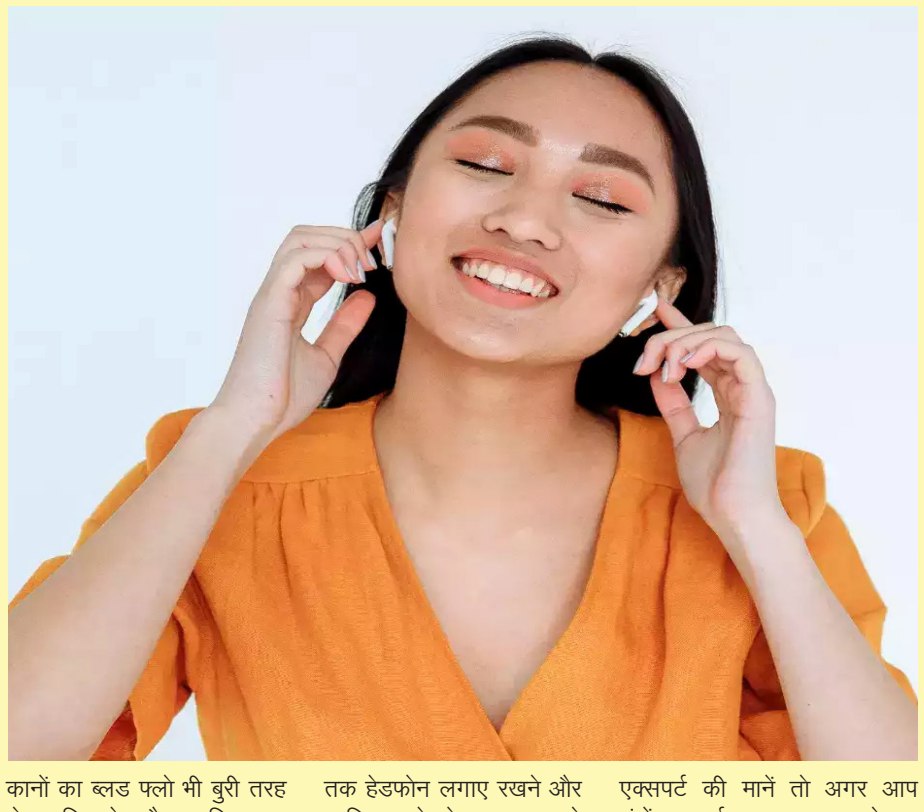

ईयरबड्स का अधिक इस्तेमाल करने से कानों को नुकसान हो सकता है। इससे सुनने की क्षमता को न सिर्फ नुकसान पहुंचता है बल्कि बार–बार ईयरबड्स का इस्तेमाल करने से कान में मैल जमा होने लग जाता है, जो कान की नली की गहराई तक पहुंचकर शरीर के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। आइये जानते हैं ईयरबड का इस्तेमाल कितना खतरनाक होता है।ईयरबड्स का लगातार घंटों तक इस्तेमाल करने से सिरदर्द की समस्या पैदा हो सकती है। इसके कारण सिरदर्द और माइग्रेन होने लगता है। यही नहीं, नींद पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे अनिद्रा या स्लीप एपनिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं।ईयरबड्स के इस्तेमाल से सुनने की क्षमता को बहुत नुकसान पहुंचता है। तेज आवाज में लगातार गाने सुनने से सुनने की क्षमता कम हो सकती है।लगातार ईयरबड्स यूज करने से कान में मैल जमा हो जाता है। ये मैल कान की नली में गहराई तक पहुंचकर उसे नुकसान पहुंचाता है।ईयरबड्स के कारण कानों का ब्लड फ्लो भी बुरी तरह से प्रभावित होता है। इसलिए आप रात में सोते समय ईयरबड्स लगाने से बचे, क्योंकि इससे कानों में बड़ी दिक्कत हो सकती है।ईयरबड्स, दिल की बीमारी के खतरे की भी वजह बनता है। घंटों तक हेडफोन लगाए रखने और म्यूजिक को तेज आवाज से सुनने के कारण इसके सीधा असर दिल पर पड़ता है, जिससे दिल की धड़कन बढ़ जाती है और आगे चलकर बड़ा नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। एक्सपर्ट की मानें तो अगर आप घंटों तक ईयरबड्स का इस्तेमाल करते हैं तो तुरंत ही उन्हें अपने रूटिन में बदलाव कर लेना चाहिए। 60 मिनट से अधिक समय तक ईयरबड्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

ब्रेकफास्ट छोड़ दिया तो कभी कम नहीं होगा वजन, इस बात में कितनी सच्चाई ?

ज्यादातर लोगों का मानना है कि कम खाने से वजन कम होता है. यही कारण है कि बहुत से लोग ब्रेकफास्ट या दिन की कोई मील छोड़ देते हैं. हालांकि, तरीका बिल्कुल गलत है. अगर आप फिट रहने या वजन घटाने के लिए सुबह का नाश्ता छोड़ते हैं तो इसका शरीर पर गलत असर पड़ता है.

वेट लॉस के लिए कोई भी मील कभी नहीं स्किप करना चाहिए. इससे शरीर में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी हो सकती है और कई बीमारियां पैदा हो सकता हैं. ऐसा करने से मेटाबॉलिक डिसऑर्डर की वजह से वजन घटने की बजाय बढ़ भी सकता है. आइए जानते हैं पूरा सच...

वजन कम करने के लिए ब्रेकफास्ट जरूरी होता है

स्नड्डष्टल रू एक स्टडी के अनुसार हैवी ब्रेकफास्ट और लाइट डिनर फिट रखने में मदद कर सकता है. यह मोटापे और ब्लड शुगर को भी रोक सकता है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि ब्रेकफास्ट का मतलब आपका रातभर का फास्ट टूटना ही चाहिए. दिन का पहला मील बाकी से काफी ज्यादा महत्वपूर्ण होता है. इससे शरीर को फ्यूल मिलता है और वह दिनभर आसानी से काम कर सकता है. ब्रेकफास्ट भरपेट करना चाहिए और हमेशा इसमें मैक्रोन्यूट्रिएंट्स से भरपूर चीजें भी होनी चाहिए.

ब्रेकफास्ट छोडने से वजन बढने लगता है

जब हम डिनर के बाद सोते हैं तो सुबह तक 10–12 घंटे का फास्ट हो जाता है. इस समय शरीर को खाने की जरूरत होती है, ताकि पूरे दिन के लिए एनर्जी मिल जाए. हमारा ब्रेकफास्ट ही तय करता है कि हमारा दिन कैसा जाएगा. शरीर का एनर्जी लेवल क्या और कितना होगा. आजकल काम के प्रेशर और जल्दबाजी के चक्कर में बहुत से लोग नाश्ता छोड़ देते हैं. उन्हें लगता है कि इससे वजन भी कम होता है लेकिन ऐसा करने से वजन घटने की बजाय बढ़ सकता है.

ब्रेकफास्ट में फल, सलाद, स्मूदी से घटा सकते हैं वजन

एक्सपर्ट्स का कहना है कि लोगों को लगता है कि ब्रेकफास्ट उनके वजन घटाने के रास्ते में

जूनियर एनटीआर के भाई नंदमुरी मोक्षगना तेजा की टालीवुड में एंट्री, डेब्यू मूवी से आया फर्स्ट लुक, हनु-मैन का डायरेक्टर बना रहा फिल्म

टॉलीवुड में अब एक और स्टारकिड नंदमुरी मोक्षगना तेजा की एंट्री हो गई है. नंदमुरी मोक्षगना टॉलीवुड सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्णा के सबसे बड़े बिटे हैं और सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के कजिन. नंदमुरी मोक्षगना के बर्थडे पर उनकी टॉलीवुड डेब्यू फिल्म से फर्स्ट लुक सामने आया है. इस फिल्म के नाम का एलान नहीं किया गया है. नंदमुरी मोक्षगना की डेब्यू मूवी को प्रशांत वर्मा डायरेक्ट करने जा रहे हैं. फिल्म की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने जा रही है. प्रशांत वर्मा ने मौजूदा साल में सुपरहीरो फिल्म हनु-मैन से सिनेमा में तहलका मचा दिया था.वहीं, प्रशांत वर्मा ने नंदमुरी मोक्षगना के बर्थडे पर फिल्म से धांसू फर्स्ट लुक शेयर किया है.

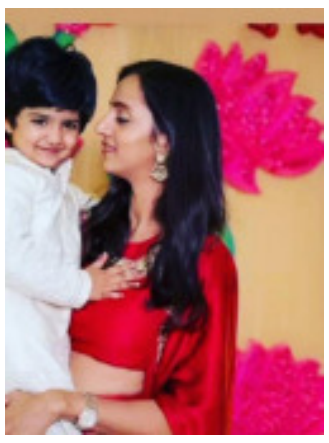

प्रशांत ने नंदमुरी मोक्षगना को बर्थडे विश कर लिखा है, पूरे सम्मान और जॉय के साथ पेश कर रहे हैं नंदमुरी तारक राव रामा मोक्षगना तेजा, जन्मदिन मुबारक मोक्षू, द पीवीसीयू में आपका स्वागत है, आइए शुरू करते है. इसी के साथ प्रशांत ने नंदमुरी मोक्षगना की डेब्यू फिल्म के लिए उन्हें डायरेक्टर चुने जाने के लिए सुपरस्टार बालाकृष्णा का आभार भी जताया है. प्रशांत ने लिखा है, मुझपर विश्वास करने और आशीर्वाद बनाए रखने के लिए नंदमुरी बालाकृष्णा जी का धन्यवाद करता हूं, आशा करता हूं कि यह प्रोजेक्ट के स्पेशल और शानदार के साथ-साथ यादगार भी बने.नंदमुरी मोक्षगना के बारे में बता दें, वह गुजरे जमाने के सुपरस्टार और जूनियर एनटीआर के दादा एनटी राम राव के पौते हैं. इससे पहले कहा जा रहा था कि वह नंदमुरी मोक्षगना अपना टॉलीवुड डेब्यू अनिल रविपूड़ी के डायरेक्शन में करेंगे, लेकिन नंदमुरी मोक्षगना की फिल्म के एलान के साथ अब इन अटलकों का कोई मतलब नहीं रह गया है.

यह भी कहा जा रहा था कि नंदमुरी मोक्षगना साल 1991 में आई फिल्म आदित्य 369 के रीमेक से टॉलीवुड में एंट्री करेंगे. आदित्य 369 नंदमुरी मोक्षगना के स्टार फादर बालाकृष्णा स्टारर फिल्म है.

नंदमुरी मोक्षगना ने अपनी डेब्यू फिल्म के लिए शारीरिक तौर पर काफी मेहनत की है. वहीं, एक्टिंग सीखने के लिए नंदमुरी मोक्षगना ने विजाग स्थित सत्यानंद एक्टिंग इंस्टिट्यू में पढ़ाई भी की है. बता दें, यहां, महेश बाबू, प्रभास और पवन कल्याण जैसे सुपरस्टार ने भी एक्टिंग सीखी थी.

थमने वाली नहीं स्त्री 2, टूटा गदर 2 का रिकार्ड, श्रद्धा कपूर की फिल्म बनी देश की चौथी सबसे कमाऊ मूवी

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर फिल्म श्स्त्री 2च ने सिनेमाघरो में खूब बवाल काटा है और कमाई के मामले में इतिहास रच दिया है. ये हॉरर कॉमेडी रिलीज के पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही. इस दौरान कई फिल्में आई और चली भी गई लेकिन श्स्त्री 2च बॉक्स ऑफिस से टस से मस नहीं हुई. यहां तक कि अब चौथे हफ्ते में एंट्री करते ही इस फिल्म ने एक और कमाल कर दिखाया है. चलिए यहां जानते हैं फिल्म ने रिलीज के 22वें दिन यानी चौथे गुरुवार को कितना कलेक्शन किया है?श्स्त्री 2च ने बॉक्स ऑफिस पर कुंडली जमा रखी है और ये ताबड़तोड़ कमाई करती जा रही है. साथ ही तमाम फिल्मों के रिकॉर्ड भी तोड़ती जा रही है. इस फिल्म ने साबित कर दिया है कि कहानी में दम हो और स्टार कास्ट की परफॉर्मेंस भी दमदार हो तो फिल्म को ब्लॉकबस्टर होने से कोई नहीं रोक सकता है. वहीं सिनेमाघरों में तहलका मचाते हुए अब श्स्त्री 2च रिलीज के चौथे हफ्ते में पहुंच चुकी है लेकिन इसकी कमाई की रफ्तार कम नही हो रही है. यहां तक कि चौथे हफ्ते में एंट्री करते ही इस फिल्म ने एक जादुई आंकड़ा भी पार कर लिया है.फिल्म की कमाई की बात करें तो श्स्त्री 2च ने अपने पहले हफ्ते में 291.65 करोड़ और दूसरे हफ्ते में 141.4 करोड़ का कलेक्शन किया था. वहीं तीसरे हफ्ते के तीसरे शुक्रवार फिल्म ने 8.5 करोड़, तीसरे शनिवार 16.5 करोड़ और तीसरे रविवार 22 करोड़ कमाए. वहीं तीसरे मंडे फिल्म ने 6.75 करोड़, तीसरे मंगलवार 5.5 करोड और तीसरे बुधवार 5.6 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब मैडॉक फिल्म ने श्स्त्री 2चके 22 दिनों की देश और दुनिया भर की कमाई के आंकड़े शेयर किए हैं.

मैडॉक फिल्म्स के मुताबिक स्त्री 2च ने रिलीज के 22 दिनों में घरेलू बाजार में 526.43 करोड़ की कमाई कर ली है. वहीं श्स्त्री 2च ने रिलीज के 22 दिनो में वर्ल्डवाइड 621 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है.

स्त्री 2 ने 22वें दिन इतिहास रच दिया और इस फिल्म ने सनी देओल की गदर 2च के लाइफटाइम कलेक्शन (525.7) का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. बल्कि श्स्त्री 2च ने श्गदर 2च से 1 करोड़ ज्यादा ही कलेक्शन कर लिया है. वहीं अब इस फिल्म के निशाने पर पठान का लाइफटाइम कलेक्शन (543.09) है. उम्मीद है की चौथे वीकेंड पर श्स्त्री 2च ये कारनामा भी कर ही

देगी. बता दें कि श्स्त्री 2च दिनेश विजान के सुपरनैचुरल यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है. इसे अमर कौशिक ने निर्देशित किया है. फिल्म में राजकुमार और श्रद्धा कपूर के अलावा पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी अहम रोल में हैं

आलिया भट्ट की जिगरा के टीजर की रिलीज डेट का एलान, सामने अभिनेत्री के इंटेंस लुक पोस्टर्स

बॉलीवुड की गंगूबाई मौजूद साल में अपनी इकलौती फिल्म जिगरा से आ रही हैं. फिल्म में आलिया भट्ट के जिम्मेदार बहन का रोल प्ले करने जा रही हैं. सुहाना खान की डेब्यू फिल्म द आर्चीज में नजर आए एक्टर वेदांग रैना फिल्म में आलिया भट्ट के भाई का रोल प्ले करेंगे. फिल्म का टीजर और कई पोस्टर पहले ही रिलीज हो चुके हैं और अब आलिया भट्ट ने जिगरा के टीजर-ट्रेलर की डेट का एलान किया है. इसी के साथ फिल्म से आलिया भट्ट के पोस्टर भी सामने आए हैं.

आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर फिल्म से पोस्टर शेयर कर लिखा है, दम है....सत्य में दम है. जिगरा टीजर ट्रेलर 8 सितंबर को रिलीज होगा. पोस्टर की बात करें तो इसमें आलिया भट्ट के अंदाज से लग रहा है कि फिल्म में दमदार एक्शन भी देखने को मिल सकता है. पोस्टर में आलिया भट्ट स्ट्राइप शर्ट पहने इंटेंस लुक दे रही हैं, और पीछे एक विशाल ड्रैगन दिख रहा है, ड्रैगन के बड़े और नुकीलें दात हैं, इस पोस्ट को देखकर लगता है कि आलिया फिल्म में बड़ी मशक्कत करने वाली हैं, पोस्टर से प्रतीत होता है कि यह इसमें बड़ा सस्पेंस दिखने वाला है.

बता दें, वासन बाला ने इस फिल्म जिगरा को डायरेक्ट किया है. वहीं, करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले फिल्म बनी है, जिसके सह-निर्माता एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस है. फिल्ण आगामी 11 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज होने जा रही है. वहीं, इससे एक दिन पहले साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की एक्शन-कॉमेडी फिल्म वेट्टैयन रिलीज होने जा रही है. तमिल सुपरस्टार सूर्या की फिल्म पीरियड ड्रामा फिल्म जिगरा भी इस दिन रिलीज होने जा रही है, लेकिन अटकलों की मानें तो फिल्म की रिलीज डेट बदल चुकी है.

एकता कपूर ने बदल दी अनीता हसनंदानी की जिंदगी

अभिनेत्री अनीता हसनंदानी ने खुद पर कंटेंट क्वीन एकता कपूर के आध्यात्मिक प्रभाव के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने तिरुपति बालाजी में विश्वास करना शुरू किया।अनीता टीवी होस्ट और रेडियो उद्घोषक सिद्धार्थ कन्नन के पॉडकास्ट पर दिखाई दीं।वीडियो में दिखाया गया कि सिद्धार्थ अनीता से पूछते हैं, एकता बहुत आध्यात्मिक और धार्मिक है...आप भी उतने हो?अनीता ने जवाब देते हुए कहा, उतनी नहीं हूं, लेकिन उनकी संगत में थोड़ी बहुत हूं। असल में मैंने सिद्धिविनायक मंदिर इसलिए जाना शुरू किया क्योंकि वह जाती हैं।उन्होंने कहा, मुझे तिरुपति बालाजी में आस्था है, क्योंकि वह इसमें आस्था रखती हैं। मैंने अपने जीवन में जो चमत्कार हुए हैं, उन्हें भी देखा है। मैं कुछ स्तर पर आध्यात्मिक हूं। मैंने पत्थर पहनने की कोशिश की, लेकिन अगर दिल ही साफ नहीं हो, तो यह काम नहीं करेगा।सिद्धार्थ ने आगे अनीता के साथ हुए चमत्कारों के बारे में पूछा।अनीता ने कहा, मैंने साउथ में नुव्वु नेनु फिल्म की थी। वो फिल्म अब हिंदी में बनाने जा रहे थे, लेकिन मुझे हिंदी में बनने वाली फिल्म के लिए कास्ट नहीं किया गया। उन्होंने मेरी जगह तुषार कपूर और तारा शर्मा को शामिल कर लिया। उनके इस कदम से मैं काफी निराश थी। इस फिल्म की शूटिंग 25 दिनों तक लगातार हुई।उन्होंने कहा, आप कल्पना कीजिए कि फिल्म का तेलुगू वर्जन में मैंने किया , लेकिन अफसोस हिंदी वर्जन किसी और से कराया जा रहा है, इसलिए मैं तिरुपति बालाजी गई और मैंने प्रार्थना की कि यह फिल्म मुझे मिले। जब मैं मंदिर से आकर अपनी कार में बैठी, तो मुझसे कहा कि वे इस काम के लिए फिट नहीं हैख़ क्या तुम यह करोगी?फिल्म नुव्वु नेनु की शूटिंग फिल्म निर्देशक तेजा द्वारा की गई थी। फिल्म में उदय किरण मुख्य भूमिका में थे, जबकि सुनील,

बनर्जी, तनिकेला भरणी, धर्मवरपु सुब्रमण्यम और तेलंगाना शकुंतला अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।तेजा द्वारा निर्देशित 2003 की ये दिल नुव्वु नेनु की आधिकारिक रीमेक थी। उन्होंने 2003 की थ्रिलर कुछ तो है से हिंदी फिल्म में डेब्यू किया। अनीता निन्ने इष्टपद्दनु, आदंथे एडो टाइप, कृष्णा कॉटेज, सिलसिले, कोई आप सा, जस्ट मैरिड, अहा ना पेलंता!, रागिनी एमएमएस 2 जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। अनीता इन दिनों टीवी शो सुमन इंदौरी में नजर आ रही हैं।

भोजपुरी अदाकारा नीलम गिरी ने देसी अवतार में बिखेरा जलवा, एक्ट्रेस की हाटनेस ने फैंस को बनाया लट्टू

भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी अपनी अदाओं से लाखों फैंस के दिलों पर राज करती हैं। फैंस न सिर्फ एक्ट्रेस के एक्सप्रेशन्स के दीवाने हैं, बल्कि एक्ट्रेस का डांस भी उनके बेहद पसंद है।

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अदाकारा नीलम गिरी ने अपने लेटेस्ट वीडियो में एक बार फिर से फैंस का दिल जीत लिया है. इस वीडियो में नीलम देसी अवतार में नजर आ रही हैं और उनकी हॉटनेस ने फैंस को लट्टू बना दिया है. वीडियो में नीलम ने ब्लैक प्रिंटेड साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहना हुआ है. उन्होंने अपने बालों में गजरा लगाया हुआ है और लाइट मेकअप के साथ माथे पर बिंदी लगाई हुई है. नीलम इस देसी अवतार में बेहद खूबसूरत लग रही हैं और उनके एक-एक अंदाज पर फैंस फिदा हो रहे हैं.

वीडियो में नीलम एक भोजपुरी गाने पर क्यूट अदाएं दिखा रही हैं. उनका ये अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. फैंस नीलम की इस वीडियो को खूब शेयर कर रहे हैं और कमेंट्स में उनकी तारीफ कर रहे हैं. नीलम गिरी भोजपुरी सिनेमा की एक जानी-मानी अदाकारा हैं. उन्होंने कई हिट भोजपुरी फिल्में दी हैं और अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है.

ये पहली बार नहीं है, जब एक्ट्रेस ने कोई वीडियो शेयर किया हो।

पहले भी नीलम कई बार अपनी अदाओं से फैंस को पागल कर चुकी हैं। इससे पहले नीलम पिंक कलर के सूट में नजर आई थीं। एथनिक वेयर में एक्ट्रेस ने कहर ढाया था। देसी अवतार में नीलम को फैंस काफी पसंद भी करते हैं।

ध्रुव वायु स्टारर कलिंगा की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, 13 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

केरोसिन से पहचान बनाने वाले युवा अभिनेता ध्रुव वायु अपनी नई फिल्म कलिंगा के लिए निर्देशक की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। बिग हिट प्रोडक्शंस के तहत दीप्ति कोंडावीती और पृथ्वी यादव द्वारा निर्मित इस फिल्म में ध्रुव वायु मुख्य भूमिका में हैं और वर्तमान में पोस्ट-प्रोडक्शन में है। इसके टीजर ने अच्छी चर्चा बटोरी है, निर्माताओं ने 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज की तारीख की घोषणा की है। ध्रुव वायु ने फिल्म के प्री-रिलीज व्यवसाय के बंद होने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी तेलुगु फिल्म ने कलिंगा जैसा विषय नहीं छुआ है, और उन्हें विश्वास है कि यह अपनी रिलीज के बाद चर्चा का विषय बन जाएगी। फिल्म के कैमरामैन अक्षय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि फिल्म का एक हिस्सा बारिश में शूट किया गया था, जिससे इसे एक विशेष प्रभाव मिला।कलिंगा में रोमांस, हॉरर, थ्रिल और कॉमेडी का अनूठा मिश्रण है, जिसमें प्रज्ञा नयन मुख्य भूमिका में हैं। 13 सितंबर, 2024 को अन्य कम बजट वाली फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बावजूद, निर्देशक ध्रुव वायु को भरोसा है कि कलिंगा दर्शकों को प्रभावित करेगी। फिल्म की ओटीटी डील भी अच्छी कीमत पर तय हुई है, जिससे निर्माताओं

की खुशी और बढ़ गई है। ध्रुव वायु कलिंगा की रिलीज के लिए तैयार हैं, वे धनुष और बंदी सरोज कुमार सहित नए जमाने के अभिनेताओं से निर्देशक बने लोगों की कतार में शामिल हो गए हैं।

एक अभिनेता और निर्देशक के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के साथ, ध्रुव वायु फिल्म उद्योग पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालना चाहते हैं।

थलापति विजय की फिल्म गोट ने की बंपर ओपनिंग, वर्ल्डवाइड कमाए 126 करोड़, बनी तमिल की सबसे बड़ी ओपनर

थलापति विजय ने साल 2024 की अपनी पहली फिल्म ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम से धमाका मचा दिया है. इससे पहले साल 2023 में इसी समय में रिलीज हुई फिल्म लियो (रुश्वङ्क) से विजय ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई का अंबार लगाया था. वहीं, ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने अपनी रिलीज का एक दिन पूरा कर लिया है. ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने ओपनिंग डे पर शानदार कलेक्शन किया है. ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम बीती 5 सितंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज हुई है. आइए जानते हैं फिल्म ने पहले दिन कितना कलेक्शन किया है.

थलापति विजय की फिल्म ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 43 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. इसमें फिल्म ने अपने घर तमिलनाडू में सबसे ज्यादा 38.3 करोड़ रुपये कमाए हैं. फिल्म ने तेलुगू में 3 करोड़ और हिंदी में 1.7 करोड़ का कलेक्शन किया है. ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की पहली दिन की कमाई का यह आंकड़ा सैकनिल्क ने जारी किया है.

ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने एडवांस बुकिंग में ग्लोबली 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया है. वहीं, यूएस में एडवांस बुकिंग में टिकट सेल कर 5.5 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है. गोट ने वर्ल्डवाइड 126.32 करोड़ रुपये के ग्रॉस कलेक्शन से खाता खोला है. विजय की लियो ने वर्ल्डवाइड 142 करोड़ रुपये से खाता खोला था. इंडिया में लियो ने 64.8 करोड़ रुपये ओपनिंग की थी, जिसका रिकॉर्ड ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम नहीं तोड़ पाई है.

एजीएस एंटरटेनमेंट बैनर तले बनी फिल्म ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का बजट लगभग 400 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. फिल्म में विजय के साथ प्रभुदेवा, प्रशांत, स्नेहा और मीनाक्षी चौधरी लीड रोल में हैं. फिल्म में कई सरप्राइजिंग कैमियो भी हैं.

जिलाधिकारी ने किया बड़े मूल्य के लेखपालों का निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी डा राजा गणपति आर द्वारा सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, राजेश कुमार सिंह के साथ मौजा मोहल्ला प्रतापपुर तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बासी बडे मूल्य के लेखपत्रों का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान उप निबन्धक कार्यालय बासी में पंजीकृत लेखपत्र संख्या 4853 वर्ष 2024 मौजा मोहल्ला प्रतापपुर तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बासी सिद्धार्थनगर के गाटा संख्या 533֊0.153 हे० सम्पूर्ण का विक्रय किया गया है। जिसमें विक्रेता प्रमोध कुमार पुत्र

मनिरतनलाल आदि एवं केता रत्नशंकर चौधरी पुत्र राजाराम चौधरी आदि है लेखपत्र में प्रतिफल रू0 1,50,25,004֊ एवं मालियत रू0 1,76,80,000֊– पर रू0 12,37.600֊– का स्टाम्प शुल्क एवं रू0 176800֊– निबन्धन शुल्क अदा किया गया है। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त उप निबन्धक बांसी राकेश राम, तहसीलदार बांसी एवं क्षेत्रीय लेखपाल आदि उपस्थित थे।

खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा कौशल सुधार प्रशिक्षण योजना हेतु अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण के आवेदन की प्रक्रिया शुरू।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की कौशल सुधार प्रशिक्षण योजना में जनपद सिद्धार्थनगर में सामान्य वर्ग के 50 लाभार्थियों (ब्यूटीपार्लर हेतु 25 अभ्यर्थी एवं फल प्रशोधन हेतु 25 अभ्यर्थी) तथा अनुसूचित जाति के 100 लाभार्थियों (ब्यूटीपार्लर हेतु 25 अभ्यर्थी दर्जी हेतु 50 अभ्यर्थी एवं फल प्रशोधन के हेतु 25 अभ्यर्थी) को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किये जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु विभाग की वेबसाईट नचाअपइ.हवअ.पद पर जा कर प्रशिक्षण के निर्धारित पोर्टल पर इच्छुक अभ्यर्थी के द्वारा आनलाईन आवेदन किया जा सकता है प्राप्त आवेदनों में स्कोर कार्ड के अनुसार प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थी का चयन जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सिद्धार्थनगर के द्वारा किया जायेगा प्रशिक्षण कार्यक्रम मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र बस्ती द्वारा कराया जायेगा प्रशिक्षार्थियों का प्रशिक्षण अवधि 15 दिन हेतु प्रत्येक दिन रू0–250֊– की दर से छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने का प्राविधान है ग्रामीण क्षेत्रध्नगर पंचायत (जिनकी जनसंख्या 20,000 से अधिक न हो) के आवेदक ही प्रशिक्षण हेतु पात्र होगें तथा सम्बन्धित अभ्यर्थी की आयु न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 45 वर्ष के मध्य हो, नीति आयोग के अन्तर्गत चयनित आकांक्षी विकास खण्ड–खेसरहा के अभ्यर्थी को वरीयता दी जायेगी इच्छुक अभ्यर्थी आनलाईन आवेदन उपरोक्त पोर्टल पर दिनांक 15.09.2024 तक कर सकते है विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय के सी0यू0जी0 नम्बर–9580503136 एवं 9453938215 पर वार्ता कर उचित परामर्श एवं सहयोग प्राप्त किया जा सकता है। उक्त आशय की जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सिद्धार्थनगर गंगाध दुबे द्वारा दिया गया है।

बांसी तहसील का जिलाधिकारी द्वारा किया गया निरीक्षण।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर– जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा तहसील बांसी का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा सर्वप्रथम उपजिलाधिकारी कोर्ट को देखा गया उपजिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी न्यायिक, तहसीलदार, नायब तहसीलदार के कोर्ट केस पत्रावली में 05 वर्ष व 03 वर्ष से अधिक समय से लम्बित प्रकरणो पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देश दिया कोर्ट केस में सबसे अधिक लम्बित प्रकरण तहसीलदार बांसी का पाया गया जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसीलदार बांसी देवेन्द्र मणि त्रिपाठी को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश दिया धारा–67 का मौके पर जाकर निस्तारण कराये तथा कब्जा भी दिलाये

खाद की तस्करी को रोकने के लिए अधिकारियों ने रात में कई छापेमारी

तस्करी के लिए रखे लहसुन, चावल, यूरिया किया बरामद

राजस्व विभाग, कृषि विभाग एवं सशस्त्र सीमा बल ककरहवा की संयुक्त टीम द्वार रात्रि 12.00 बजे बार्डर के क्षेत्रों में की गयी उर्वरक की गहन छापेमारी जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सीमा पर आये दिन हो रही तस्करी की खबरों का संज्ञान लेते हुए कृषि विभाग, राजस्व विभाग एवं सीमा सुरक्षा बल के संयुक्त टीम द्वारा जनपद के विकास खण्ड बर्डपुर के ककरहवा बाजार मे दिनांक 07.09.2024 को रात्रि 12.00 बजे से प्रातः 5.00 बजे तक आकस्मिक छापे डाले गये इन छापों में तस्करी हेतु धान, उर्वरक, लहसुन, प्याज आदि के संभावित भण्डार गोदामों पर संयुक्त टीम द्वारा पूरी मुस्तैदी के साथ जाँच की गयी संयुक्त टीम द्वारा मोहाना, ककरहवा बाजार, फसादीपुर दुल्हा सुमाली, दुल्हा चौराहा, अमहवा चौराहा का भ्रमण किया गया एवं संदिग्धता के आधार पर प्रतिष्ठानों एवं घरों पर छापे डाले गये छापे के दौरान फसादीपुर में

एक निजी मकान में अवैध तरीके से मण्डार किये गये चाइनीज लहसुन की 16 बोरिया बरामद की गयी अमहवा में अवैध रूप से अन्न भण्डारण एवं बर्डपुर में शीफा हास्पिटल के निकट अवैध तरीके से बार्डर पार कराये जाने की फिराक में रखे गये 3 ट्रक चावल की खेप को बरामद किया गया है मौके पर मौजूद थाना मोहाना पुलिस द्वारा स्टॉक को विधिक कार्यवाही हेतु सौंप दिया गया है संयुक्त टीम में राजस्व विभाग से उपजिलाधिकारी, नौगढ़ (ललित मिश्रा), तहसीलदार (पीयूष), नायब तहसीलदार (माधुय यादव) एवं कृषि विभाग से उप कृषि निदेशक (अरविन्द कुमार विश्वकर्मा), जिला कृषि अधिकारी (मु० मुजम्मिल), जिला कृषि रक्षा अधिकारी (विवेक दूबे) तथा मण्डी सचिव एवं सीमा सुरक्षा बल के डिप्टी कमान्डेन्ट (जशवन्त) के साथ अन्य आलाधिकारी मौजूद रहे भविष्य में उर्वरक की तस्करी को रोकने हेतु इस तरह की विभागीय कार्यवाही संयुक्त टीम द्वारा की जाती रहेगी तथा पकडे जाने पर विधिक कार्यवाही भी की जायेगी इस मामले की जानकारी उप कृषि निदेशक, द्वारा दिया गया है।

महिलाओं के प्रति सर्वोत्तम दृष्टिकोण अपनाया जाए तथा उन्हे निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान की जाए- अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया द्वारा देवरिया सदर तहसील में विधिक साक्षरताध्जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव ध्अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी के द्वारा उपस्थित आम जनमानस को विधिक रूप से साक्षर किया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि महिलाओ से संबंधित हितों के लिए सर्वोत्तम दृष्टिकोण अपनाते हुये उनको समाज से मिलाने हेतु प्रोत्साहित किया जायें। सचिव ने कहा कि तहसील स्तर पर वादकारियों को निःशुल्क विधिक सहायता हेतु फ्रंट आफिस खोला गया है जिसमें पैरालीगल वालंटियर नियुक्त किया गया है। जों हर

समय निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करने हेतु सदैव तत्पर है। सचिव द्वारा महिलाओं के लिए उपलब्ध सरकारी कल्याणकारी योजनाएं, घरेलू हिंसा और कार्यस्थल पर हो रहे यौन उत्पीड़न संबधी कानूनों की जानकारी दी गयी। उन्होने कहा कि संविधान द्वारा महिलाओं, बच्चों, गरीबों व कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के लिए निशुल्क विधिक सहायता व सलाह का अधिकार प्रदान किया गया है विधिक जागरूकता से विधिक संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। आयोजित कार्यक्रम में तहसीलदार देवरिया, कृष्ण कुमार मिश्रा ने शासन के द्वारा महिलाओ से संबन्धित संचालित योजना बाल सेवा योजना, रानी लक्ष्मीबाई महिला योजना, तथा अन्य योजनाओं के बारें में विस्तार से बताया गया। उन्होने राजस्व विभाग से संचालित, खतौनी, वरासत, हैसियत सहित विभिन्न विषयों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उपजिलाधिकारी देवरिया सदर विपिन द्विवेदी ने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक, शिक्षा नारी सुरक्षा एवं सम्मान, पुलिस हेल्प लाइन, शिक्षा एवं कौशल उन्नयन हेतु संचालित योजनाओं के बारें में विस्तार से बताया।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से तहसील बार एसोसिऐशन के प्रतिनिधि, तहसीलदार देवरिया कृष्ण कुमार मिश्रा, उपजिलाधिकारी देवरिया सदर विपिन द्विवेदी, नायब तहसीलदार, तथा भारी संख्या में तहसील के विभिन्न ग्रामों से महिलाएं, तथा अन्य गणमान्य आमजनमानस के द्वारा प्रतिभाग किया गया ।

संकल्प और मजबूत इरादे के साथ कराएं विकासरू प्रभारी मंत्री

चित्रकूट। पिछड़ा वर्ग कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री व जनपद प्रभारी मंत्री नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। प्रभारी मंत्री ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का कार्य करें। विकास कार्य गुणवत्तापरक होने चाहिए। कानून व्यवस्था कायम रहे। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश विकास की गति में आगे बढ़ा है। आर्थिक स्थिति प्रदेश की मजबूत हुई है। प्रदेश का माहौल अनुशासित हुआ है। बहुत चुनौतियां सामने खड़ी होती है उनसे सबको निपटना है। सभी अधिकारी अपने कार्यशैली में बदलाव लाएं। जनता की अपेक्षाएं सरकार से रहती हैं। विद्युत की स्थिति में सुधार कराएं। संकल्प व मजबूत इरादे की जरूरत है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि समय से सड़कों के निर्माण कार्य किए जाएं। मुख्यमंत्री प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निवेशकों के माध्यम से सभी जिलों पर उद्योग स्थापित करा रहे हैं।

सम्पूर्ण तहसील समाधान कार्यक्रम का हुआ योजना।

C;jk fl)kFkuxj&

शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के प्रथम एवं तीसरे शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है तहसील बांसीघ में जिलाधिकारी डा0 राजागपति आर की अध्यक्षता एवं विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया तहसील बांसीघ में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर उपजिलाधिकारी बांसी प्रदीप कुमार यादव तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा किया गयाजिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस बांसीघ में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त

हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद की आख्या लगाएंगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिए सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 267 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व–125, पुलिस विभाग से सम्बन्धित–34, विकास–32, विद्युत–17, लो0नि0वि0–02, पंचायती राज विभाग–04, जल निगम–05, लीड बैंक–01, आबकारी–01, प्रोबेशन–01 तथा अन्य– 45 प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत हुए राजस्व के 19 एवं आबकारी के 01 प्रार्थना–पत्रों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत–प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्र्दशित किया गया सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस कार्यक्रम के इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त डीएफओ पुष्प कुमार के0, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, डीडीओ गोपाल प्रसाद कुशवाहा, उपकृषि निदेशक अरविन्द कुमार विश्वकर्मा

, जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय

, डीएसओ देवेन्द्र प्रताप सिंह, तहसीलदार बांसी, तहसील बांसी क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बांसी तहसील के जिलाधिकारी द्वारा किया गया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा तहसील बांसी का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा सर्वप्रथम उपजिलाधिकारी कोर्ट को देखा गया उपजिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी न्यायिक, तहसीलदार, नायब तहसीलदार के कोर्ट केस पत्रावली में 05 वर्ष व 03 वर्ष से अधिक समय से लम्बित प्रकरणो पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देश दिया कोर्ट केस में सबसे अधिक लम्बित प्रकरण तहसीलदार बांसी का पाया गया जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसीलदार बांसी देवेन्द्र मणि त्रिपाठी को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश दिया। धारा–67 का मौके पर जाकर निस्तारण कराये तथा कब्जा भी दिलाये। पारिवारिक सदस्यता प्रमाण–पत्र, पट्टा, आर.सी. वसूली, ई.डब्ल्यू.एस. प्रमाण–पत्र आदि पत्रावली का गहनता से जांच किया गया।

आई0जी0आर0एस0 निस्तारण आख्या को जिलाधिकारी द्वारा देखा गया। इसके पश्चात अभिलेखागार, भूलेख, संग्रह अभिलेखागार, नजारत, खतौनी कक्ष, आपूर्ति कार्यालय, डाक डिसपैच रजिस्टर, आर0के0पटल, आदि विभिन्न पटलो का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा तहसील परिसर की साफ–सफाई व्यवस्था ठीक कराने का निर्देश दिया इस अवसर पर उपजिलाधिकारी बांसी प्रदीप कुमार यादव, उपजिलाधिकारी न्यायिक, तहसीलदार बांसी, नायब तहसीलदार बांसी व अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सलेमपुर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

कुल प्राप्त 145 प्रकरणो में 07 प्रकरणों का किया गया निस्तारण

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने सलेमपुर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जन समस्याओं की सुनवाई की। शनिवार को कुल 145 प्रकरण आये, जिसमें 07 प्रकरणों का मौके पर समाधान किया गया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक फरियादी की समस्याओं का गुणवत्ता व समयबद्धता के साथ निस्तारण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारी जिन प्रकरणों की जांच करने स्वयं जाते हैं उनका गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें, जिससे लोगों को उनकी समस्याओं का समाधान मिल सके। उन्होंने कहा कि समस्त लेखपालों का उत्तरदायित्व होगा कि उनकी तैनाती जिस ग्राम पंचायत में है, यदि वहाँ खलिहान की भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण होता है तो उनकी संज्ञान में लाएं। यदि किसी अन्य माध्यम से उनकी संज्ञान में

खलिहान की भूमि पर अतिक्रमण की जानकारी मिलेगी तो लेखपाल का उत्तरदायित्व तय कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिन प्रकरणों में संयुक्त रुप से निराकरण की आवश्यकता हो, उसमें आपसी समन्वय रखते हुए उन मामलो का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि प्रकरणों का निस्तारण गुणवत्ता के साथ होना चाहिये। तहसील सलेमपुर में आयोजित समाधान दिवस में कुल प्राप्त 145 प्रकरणों में सर्वाधिक राजस्व विभाग के 82, पुलिस के 32, विकास के 10 व अन्य विभागों से 21 मामले आये। 07 प्रकरणों का आज समाधान किया गया। शेष 138 प्रकरणों को संबंधित विभागों समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश के साथ सौंपा गया। आज आने वाले प्रकरणों में से अधिकांश पारिवारिक भूमि विवाद, पैमाइश, चकरोड, अतिक्रमण, विद्युत, राशनकार्ड आदि से संबंधित थे। सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीएमओ डॉ राजेश झा, अपर पुलिस अधीक्षक दीपेंद्रनाथ चौधरी, एसडीएम सलेमपुर दिशा श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, थानाध्यक्ष गण आदि उपस्थित रहे।

शहद उत्पादन का कार्य करने या रूचि रखने वालो को मिलेगा निःशुल्क हनीबाक्स मधुमक्खी सहित एवं सम्बन्धित टूलकिट्स

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल के निर्देश पर जिला ग्रामोद्योग अधिकारी वीरेन्द्र प्रसाद ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा उत्पाद विकास मानकीकरण एवं गुणवत्ता विनिश्चय योजना (हनी मिशन) अन्तर्गत जनपद देवरिया को 20 लाभार्थियों को हनीबाक्स मधुमक्खी सहित एवं सम्बन्धित टूलकिट्स वितरित किये जाने हेतु लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना के अन्तर्गत जनपद देवरिया में शहद उत्पादन कार्य में रूचि रखने वाले बेरोजगार व शहद उत्पादन कार्य में प्रशिक्षित व्यक्तियों को 05 दिवसीय गुणवत्तापरक प्रशिक्षण कराते हुए प्रत्येक व्यक्ति को 05–05 हनीबाक्स मधुमक्खी सहित एवं सम्बन्धित टूलकिट्स वितरित किया जायेगा। इस योजना हेतु लाभार्थी की पात्रता उम्र 18 वर्ष से 50 वर्ष की आयु के एक ही गांव, नजदीकी गांव या समूह के आवेदको को प्रत्येक परिवार से एक ही व्यक्ति को आवेदन जमा करना होगा। पूर्व में किसी भी सरकारी संस्थान के माध्यम से जिस परिवार में टूलकिट्स का लाभ मिल चुका है उस परिवार का कोई भी अभ्यर्थी लाभ नहीं उठा सकता है। इस योजना से आवेदन की प्रक्रिया आनलाइन है जिसका वेबसाइट upkvib-gov-in है। विस्तृत जानकारी हेतु उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, जिला पंचायत भवन प्रथम तल देवरिया, से सम्पर्क कर आवेदन पत्र 15 सितंबर तक जमा कर सकते है। फार्म के साथ फोटो, आधार कार्ड, राशनकार्ड, शैक्षिक योग्यता, ग्राम प्रधान द्वारा निवास प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण–पत्र की प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।